हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 09.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 281 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

अरुणाचल प्रदेश में 3.6 तीव्रता का भूकंप

इटानगर : अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला में शुक्रवार को दोपहर बाद मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, अरुणाचल में 04 बजकर 05 मिनट 52 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र पापुम पारे जिला में जमीन के अंदर 05 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 27.390 उत्तरी अक्षांश तथा 93.853 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने ओडिशा के तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टीएआरए) हथियार का पहला परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा। टीएआरए एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है। टीएआरए अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है।

800 साल पुराने काकतीय मंदिर को ध्वस्त करने पर मामला दर्ज

हैदराबाद : तेलंगाना के वारंगल जिले में एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए 800 साल पुराने काकतीय कालीन शिव मंदिर को बुलडोजर से ढहा दिया गया, जिससे आक्रोश और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। खानपुर मंडल के अशोक नगर में हुई इस घटना पर राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएचए) में शिकायत के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है। वकील इम्मनेनी रामा राव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि काकतीय शासक गणपति देव (1199-1262 ईस्वी) के शासनकाल के इस शिव मंदिर को खानापुर मंडल में 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' के निर्माण के लिए भारी मशीनों से नष्ट कर दिया गया। शिकायत में कहा गया कि अधिकारियों ने 'तेलंगाना हेरिटेज एक्ट' के तहत अनिवार्य 'विरासत संरक्षण समिति' का गठन नहीं किया। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि मंदिर को ध्वस्त करने के बजाय उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता था।

प. बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे शुभेंदु अधिकारी, आज लेंगे शपथ

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नए युग शुरूआत हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। कोलकाता के न्यू टाउन स्थित विश्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में उनके नाम पर मुहर लगाई गई।

मुख्य पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी (सहायक पर्यवेक्षक) की देखरेख में बैठक संपन्न हुई। भाजपा के सभी 207 नवनिर्वाचित विधायकों ने एक स्वर में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व पर भरोसा जताया। शुभेंदु अधिकारी लोकभवन जाकर राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का आधिकारिक दावा पेश किया। भाजपा प्रदेश इकाई ने कहा की 'यह बंगाल की जनता की आकांक्षाओं की जीत है। अब बंगाल में विकास और सुशासन का नया अध्याय शुरू होगा।'

अमित शाह की मौजूदगी में विधायक दल के नेता चुने गए; ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आज होगा शपथ ग्रहण

'कार्यकर्ता' से 'मुख्यमंत्री' तक का सफर

शुभेंदु अधिकारी की इस जीत को उनकी व्यक्तिगत साख और कड़े संघर्ष का परिणाम माना जा रहा है। 2021 में नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराने के बाद, इस बार उन्होंने ममता के गढ़ भवानीपुर में भी उन्हें पराजित कर अपनी दावेदारी को निर्विवाद बना दिया। बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत (207 सीटें) दिलाने में उनके आक्रामक प्रचार और जमीनी पकड़ की अहम भूमिका रही है।

ब्रिगेड परेड ग्राउंड में तैयारी जोरों पर

कोलकाता का एतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड इस नई सरकार के शपथ ग्रहण का गवाह बनेगा। माना जा रहा है कि इस भव्य समारोह में केंद्र सरकार के कई दिग्गज मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री शिरकत करेंगे। इस दौरान नए मंत्रिमंडल की तस्वीर भी साफ हो जाएगी।

शुभेंदु अधिकारी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

शुभेंदु अधिकारी राजभवन पहुंचे और राज्यपाल आर ।एन। रवि से मुलाकात की। उन्होंने विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपकर आधिकारिक तौर पर नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। इसी के साथ अब कल यानी 9 मई को सुबह 11 बजे होने वाले भव्य शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया है।

बंगाल की जनता का विश्वास टूटने नहीं देंगे : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बंगाल की जनता का विश्वास टूटने नहीं देगी। शुक्रवार को कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद संवाद माध्यमों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा और नरेंद्र मोदी पर भरोसा करके बंगाल की जनता ने जो प्रचंड जीत दी है, उसके लिए मैं आभारी हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपका विश्वास डिगे नहीं। हम सोनार बंगाल के लक्ष्य को जारी रखेंगे।

टीवीके प्रमुख विजय आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

एजेंसी

- सीपीआई, सीपीआई(एम)और वीसीके ने किया समर्थन का वादा
- राज्यपाल ने दिया सरकार बनाने का न्योता
- चेन्नई में शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज
- राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना

चेन्नई : तमिलनाडु की राजनीति में एक नए युग का सूत्रपात होने जा रहा है। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता से राजनेता बने विजय शनिवार (9 मई) सुबह 11 बजे राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद, विजय ने शुक्रवार देर शाम राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की, जहाँ उन्हें औपचारिक रूप से सरकार बनाने का निमंत्रण दिया गया।

राज्यपाल से मिले, पेश किया दावा

शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने विजय को बहुमत का नेता चुने जाने पर बधाई दी। विजय ने इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए राज्य की सेवा का संकल्प दोहराया। इस मुलाकात के बाद से ही चेन्नई में जश्न का माहौल है और शपथ ग्रहण समारोह के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण में जुटेंगे दिग्गज

सूत्रों के मुताबिक, इस शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारी है। खबर है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस समारोह में शामिल हो सकते हैं, जिससे राज्य की राजनीति में नए समीकरणों के संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा, दक्षिण भारतीय फिल्म जगत और राजनीति की कई बड़ी हस्तियों के चेन्नई पहुंचने की उम्मीद है।

विजय की यह जीत तमिलनाडु की पारंपरिक द्रविड़ राजनीति में एक बड़े बदलाव के तौर पर देखी जा रही है। दशकों से चले आ रहे क्षेत्रीय क्षत्रपों के वर्चस्व के बीच टीवीके की बड़ी जीत ने विश्लेषकों को भी चौंका दिया है। कल होने वाला शपथ ग्रहण समारोह न केवल विजय के राजनीतिक सफर की शुरूआत होगा, बल्कि राज्य की जनता की नई उम्मीदों का प्रतिबिंब भी होगा।

पटना में टीआरई-4 के अभ्यर्थियों पर पुलिस का लाठीचार्ज, कई घायल

एजेंसी

पटना : बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को शिक्षक बहाली (टीआरई- 4) के विज्ञापन में देरी और नियमावली में बदलाव की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों अभ्यर्थियों पर पुलिस ने जमकर लाठियां चटकाईं। इस कार्रवाई में कई छात्र-छात्राएं घायल हो गए हैं। पटना कॉलेज से शुरू हुआ विरोध मार्च जैसे ही जेपी गोलंबर पहुँचा, वहाँ भारी पुलिस बल और अभ्यर्थियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में हजारों अभ्यर्थी पटना कॉलेज से मार्च निकालते हुए बिहार लोक सेवा आयोग के कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों को जेपी गोलंबर पर ही रोक दिया। जब छात्र आगे बढ़ने की जिद पर अड़ गए, तो पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई में कई अभ्यर्थी लहूलुहान हो गए, जबकि पुलिस ने छात्र नेता दिलीप समेत कई मुख्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है।

अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का आरोप

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे दिलीप कुमार ने कहा कि टीआरई- 4 के लाखों अभ्यर्थी पिछले दो वर्षों से रिक्तियों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री और विभाग पिछले एक साल से केवल आश्वासन दे रहे हैं। चुनाव के दौरान भी जल्द विज्ञापन जारी करने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ।

प्रशासन की कार्रवाई और आगामी चेतावनी

पुलिस प्रशासन का कहना है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में बिना अनुमति के मार्च निकालने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के कारण कार्रवाई की गई। वहीं, हिरासत में लिए जाने से पहले छात्र नेता दिलीप ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि जल्द ही टीआरई- 4 का विज्ञापन जारी नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में पटना की सड़कों पर इससे भी बड़ा और व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

छात्रों की मुख्य मांगे

अधियाचना के बावजूद देरी: बीपीएससी ने फरवरी में नोटिस जारी कर स्वीकार किया था कि उसे रिक्तियां (अधियाचना) मिल चुकी हैं, फिर भी विज्ञापन जारी नहीं किया जा रहा।

समाप्त होती उम्र सीमा: विज्ञापन में हो रही देरी के कारण हजारों योग्य अभ्यर्थियों की निर्धारित आयु सीमा समाप्त होती जा रही है।

भ्रामक सूचनाएं: विभाग और आयोग द्वारा बार-बार छात्रों को गुमराह करने का आरोप लगाया गया है।

राज्यपाल ने 'जनजातीय गौरव महोत्सव-2026' का किया उद्घाटन, कहा

जनजातीय संस्कृति भारत की आत्मा है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव महोत्सव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल कला और नृत्य का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह हमारी प्राचीन सभ्यता, संघर्ष और प्रकृति के साथ मानवीय जुड़ाव का एक अनुपम उत्सव है।

राज्यपाल ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि अपनी जड़ों को याद रखना और अपनी पारंपरिक पहचान को जीवंत बनाए रखना किसी भी प्रगतिशील समाज के लिए अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनजातीय संस्कृति भारत की आत्मा है।

उन्होंने कहा कि झारखण्ड की पावन धरती विभिन्न जनजातीय समुदायों की कला, भाषा और संस्कारों का संगम है। यह विविधता ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन को धरातल पर उतारती है।

सड़क हादसे में माता-पिता सहित 5 की मौत

बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को एनएच-34 पर हुए एक हादसे में ट्रक से टकरा कर बाइक सवार माता- पिता और तीन बच्चों व सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार हुआ परिवार वैष्णो देवी धाम के दर्शन कर लौटा था और रिश्तेदार के घर रुकने के बाद आज अपने गांव लौट रहा था।

रूस में विजय दिवस समारोह आज

मॉस्को : रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त यूक्रेन और रूस के बीच 24 फरवरी 2022 से शुरू यह युद्ध अब वैश्विक कूटनीतिक और आर्थिक तनाव का केंद्र बन गया है। रूस में नौ मई को विजय दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए रूस ने एकतरफा सैन्य विराम की घोषणा की है। यह 8 मई आधी रात से प्रभावी होगा । यूक्रेन ने गुरुवार रात रूस पर ड्रोन हमलों की बौछार की है। तास न्यूज एजेंसी और मॉस्को टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने दावा किया है कि हमले के लिए दागे गए यूक्रेन के 347 ड्रोन को मार गिराया है। यूक्रेन ने 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाने के मकसद से ड्रोन की बौछार की। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लॉन्च किए थे।

शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज तक तनाव, अमेरिका ने किया हवाई हमला

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य तक तनाव बढ़ गया है। ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तटीय जलक्षेत्र में एक ईरानी तेल टैंकर और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास दूसरे जहाज को निशाना बनाया। इसके अलावा दक्षिणी ईरान के बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के नागरिक इलाकों में अमेरिका की वायुसेना ने हवाई हमला किया। ईरान का दावा है कि उसने दुश्मन को माकूल जवाब दिया।

अल जजीरा, इरना और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने आत्मरक्षा के लिए यह कदम उठाया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके नौसैनिक बलों पर मिसाइलों, ड्रोन और तेज गति वाली नावों से हमला किया। इसलिए हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों को प्यार भरा थप्पड़ बताया है। उन्होंने कहा कि सैन्य विराम जारी है। यह प्रभावी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा ईरान ने हमसे पंगा लिया। हमने उन्हें उड़ा दिया।

भारत की अपराजित आत्मा का प्रतीक है 'सोमनाथ मंदिर' : पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्मित लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर देशवासियों को संबोधित करते हुए इसे भारतीय सभ्यता के अटूट संकल्प का प्रतीक बताया है। प्रधानमंत्री 11 मई को इस ऐतिहासिक अवसर पर सोमनाथ धाम में मौजूद रहेंगे। सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने एक विशेष लेख में उन्होंने सोमनाथ की रक्षा करने वाले वीरों और इसके पुनरुद्धार में भूमिका निभाने वाली महान विभूतियों को नमन किया।

सोमनाथ: केवल मंदिर नहीं, एक चेतना

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ केवल एक देवालय नहीं है, बल्कि यह हमारी उस सभ्यता की निरंतरता है जिसकी ज्योति को कोई भी आघात बुझा नहीं सका। उन्होंने समुद्र की लहरों का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे लहरें हर तूफान के बाद फिर उठ खड़ी होती हैं, वैसे ही सोमनाथ ने हर आक्रमण के बाद और अधिक भव्यता के साथ पुनर्जन्म लिया है।

इतिहास के नायकों को नमन

पीएम मोदी ने उन महापुरुषों और योद्धाओं का स्मरण किया जिन्होंने कठिन समय में मंदिर की गरिमा बचाए रखी:

मनीषी और राजा: लकुलीश, सोम शर्मा, महाराज धारसेन, भीम प्रथम, राजा भोज और अहिल्याबाई होल्कर जैसे नामों का उल्लेख किया।

वीर योद्धा: हमीरजी गोहिल और वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने मंदिर की रक्षा में अपना बलिदान दिया।

सरदार पटेल का संकल्प और नेहरू का विरोध

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता के बाद मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल की ऐतिहासिक भूमिका को याद किया। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर 1947 को सरदार पटेल ने समुद्र का जल हाथ में लेकर मंदिर निर्माण की प्रतिज्ञा की थी।

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि के.एम. मुंशी ने इस विजन को आगे बढ़ाया और 1951 में राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इसका उद्घाटन किया।

लेख में पीएम ने यह भी रेखांकित किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इस पुनरुद्धार का विरोध किया था।

विकास भी, विरासत भी

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक से भारत विकास भी, विरासत भी के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। सोमनाथ से लेकर काशी, अयोध्या, उज्जैन और केदारनाथ तक सभी आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

एक नजर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार में पोशाक का किया गया वितरण

बड़कागांव : अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार में गुरुवार को कक्षा एक एवं दो के कुल 46 छात्र-छात्राओं के बीच पोशाक का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुखिया गीता देवी विशिष्ट अतिथि उप मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र साहू के हाथों बच्चों को दो सेट पोशाक, जूता, मोजा एवं स्वेटर दिया गया।मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज राम रविदास, शिक्षक तुलेश्वर कुमार, बिरेंद्र कुमार, विमल प्रसाद, भोलानाथ कुशवाहा, मुखिया प्रतिनिधि संजय महतो, पत्रकार रंजीत साव, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साव, संयोजिका रिंकी देवी समेत अन्य शामिल थे।

आदिति कुमारी का बैंक क्लर्क में चयन लोगों ने दी बधाई

बड़कागांव : आदिति कुमारी पिता स्वर्गीय दिलीप यादव उरीमारी हेसाबेड़ा निवासी का चयन बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क के पद पर हुई है। अदिति की सफलता पर उरीमारी कोलांचल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अदिति स्वर्गीय निर्मल यादव एवं उरीमारी पंचायत की मुखिया कमला देवी की पोती है। वहीं आरसीएमयू इंटर क्षेत्रीय सचिव राजू यादव की भतीजी है। बताते चले कि अदिति कुमारी की दसवीं तक की पढ़ाई डीएवी स्कूल बरकाकाना एवं 12 वीं की पढ़ाई संत जेवियर स्कूल हजारीबाग और स्नातक की पढ़ाई संत जेवियर कॉलेज रांची से हुई। आदिति की इस सफलता पर कोयलांचल क्षेत्र उरीमारी में काफी खुशी का माहौल है। इनके सफलता प्राप्त करने पर परिवार के सदस्य सहित पूरे कोलांचल क्षेत्र के क्षेत्र वासियों ने बधाई दी है। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से उरीमारी पंचायत की मुखिया कमला, चाचा राजू यादव , गोपाल यादव, पोटंगा पंचायत मुखिया चरका करमाली, सीताराम किस्कू, विश्वनाथ मांझी,कानू मरांडी,गणेश राम, डॉक्टर जी आर भगत, दीपक यादव और राकेश यादव, राधेश्याम बैठा, बाल्मीकि यादव सहित क्षेत्र के तमाम लोगों ने बधाई दी है।

सगे भाई ने बहन के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार जेल भेजा गया

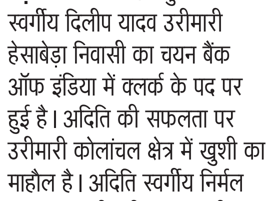

बड़कागांव : रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक बेहद ही हैरान और परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया है। बड़कागांव थाना क्षेत्र के चंदौल पंचायत निवासी रेशमी देवी ने अपने सगे भाई पर अपनी ही साथ बदुष्कर्म (रेप) करने का गंभीर आरोप लगाई है। पीड़िता ने बड़कागांव थाने में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है। जिसके बाद बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई कांडतरी निवासी 21 वर्षीय अर्जुन कुमार पिता स्व. विजय महतो को महज चार घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,घटना गुरुवार के रात की है। पीड़िता ने शुक्रवार को बड़कागांव थाने में दर्ज कराई अपनी शिकायत में बताया कि घर पर कोई नहीं था इसलिए मैं अपने बच्चे के साथ सो रहा था और रात होने का फायदा उठाकर उसके सगे भाई ने उसके साथ जबरदस्ती की और विरोध करने के बाजूद वह रेप करता रहा।

झारखंड चैम्बर का राज्यव्यापी औद्योगिक सर्वे अभियान शुरू, चार जिलों के इंडस्ट्रियल एरिया में मिला बुनियादी सुविधाओं का टोटा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों की बदहाली दूर करने के लिए फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने राज्यव्यापी अभियान छेड़ दिया है। शुक्रवार को चैम्बर की टीम ने पतरातू, रामगढ़, हजारीबाग और बरही इंडस्ट्रियल एरिया का स्थलीय निरीक्षण कर उद्यमियों से सीधा संवाद किया। अभियान का नेतृत्व चैम्बर के सह सचिव रोहित पोद्दार कर रहे थे। उनके साथ कार्यकारिणी सदस्य तुलसी पटेल, नॉर्थ छोटानागपुर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनय अग्रवाल, रामगढ़ चैम्बर अध्यक्ष मंजीत साहनी व सचिव मनोज चतुरवेदी मौजूद रहे। जियाडा के प्रबंध निदेशक और उद्योग विभाग का भी सहयोग मिला।

उद्यमियों का दर्द: शुल्क देते हैं, सुविधा नहीं

बैठक में उद्यमियों ने बताया कि इंडस्ट्रियल एरिया में पानी, बिजली, सड़क और ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस पिकेट तक नहीं हैं। उद्यमियों ने सुझाव दिया कि अलग विद्युत फीडर से निर्बाध बिजली मिले तो उत्पादन दोगुना हो सकता है।

सबसे बड़ी शिकायत मेंटेनेंस को लेकर रही। उद्यमियों ने कहा कि वे हर साल एएमसी शुल्क देते हैं, लेकिन उस राशि से सड़कें तक नहीं सुधरतीं। जर्जर सड़कों के कारण बारिश में लोडिंग-अनलोडिंग ठप हो जाती है। कई क्षेत्रों में अप्रोच रोड तक नहीं है।

तीन साल से अटका पजेशन, सब्सिडी भी लटकी हजारीबाग एवं बरही के कई उद्यमीयों ने बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व भूमि आवंटित हुई, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के हस्तक्षेप के कारण आज तक पजेशन नहीं मिला और न जमा राशि लौटी। बरही में भी कई उद्यमियों को भुगतान के बावजूद प्लॉट का कब्जा नहीं मिला है। जिसके कारण ज़िआडा की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। उद्यमियों ने दीर्घकालिक औद्योगिक नीति लागू करने, सब्सिडी का समय पर भुगतान और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उद्योग विभाग की समर्पित हेल्पलाइन जारी करने की मांग की।

160 औद्योगिक क्षेत्रों की बनेगी रिपोर्ट सह सचिव रोहित पोद्दार ने कहा कि अभियान का मकसद राज्य के सभी 160 औद्योगिक क्षेत्रों की जमीनी हकीकत जानना है। विस्तृत सर्वे के बाद समग्र रिपोर्ट उद्योग विभाग को सौंपी जाएगी, ताकि पुराने उद्योगों का विस्तार हो और नए निवेश आएं। कार्यकारिणी सदस्य तुलसी पटेल ने कहा कि बिना मजबूत सड़क, बिजली, पानी व सुरक्षा के औद्योगिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनय अग्रवाल ने कहा कि समाधान केवल फाइलों में नहीं, जमीन पर दिखना चाहिए।

मौके पर ईओडीबी मैनेजर अंशुमान सिंह, श्याम कुमार, हजारीबाग चैम्बर अध्यक्ष शम्भूनाथ अग्रवाल, सुबोध अग्रवाल, सुनिल अग्रवाल, राकेश ठाकुर, बरही इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष पीके गर्ग समेत दर्जनों उद्यमी मौजूद थे।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का 60वां जत्था रवाना, बरसोत से 65 बुजुर्ग तीर्थ यात्रा पर निकले

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के "सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान" का 60वां जत्था गुरुवार शाम बरही के बरसोत पंचायत से रवाना हुआ। सांसद ने 65 बुजुर्ग श्रद्धालुओं का पांव पखार कर आशीर्वाद लिया और हरी झंडी दिखाकर जत्थे को विदा किया। सांसद जायसवाल ने कहा कि यह अभियान आर्थिक कारणों से तीर्थ यात्रा न कर पाने वाले बुजुर्गों के लिए है। "बुजुर्गों के चेहरे की मुस्कान ही सबसे बड़ा आशीर्वाद है," उन्होंने कहा। अब तक 59 जत्थे सफलतापूर्वक तीर्थ स्थलों का दर्शन कर चुके हैं। विदाई के दौरान जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, सांसद प्रतिनिधि अजय साव, मुकुंद साव, रमेश ठाकुर, मुखिया मोतीलाल चौधरी, रंजीत चंद्रवंशी, विजय यादव, गुरुदेव गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि व समाजसेवी मौजूद रहे।

साइबर अपराध, नशा मुक्ति और बाल विवाह पर चोरदाहा में चला जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के चोरदाहा पंचायत में नालसा एवं झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी के निर्देशन में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पंचायत के बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल हुए। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान लोगों को आपसी विवादों के समाधान, बिजली संबंधी समस्याओं, वाहन दुर्घटना से जुड़े कानूनी प्रावधान, नशा मुक्ति अभियान, बाल विवाह निषेध कानून तथा साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर हेल्पलाइन नंबर 15100 पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में लोगों को सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या धोखाधड़ी होने पर तुरंत हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई। इसके अलावा नशा मुक्ति और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली लोक अदालत की जानकारी देते हुए बताया गया कि इसके माध्यम से विभिन्न मामलों का त्वरित एवं सरल समाधान आपसी सहमति से किया जाता है।

सांस्कृतिक विकास केन्द्र संगीत महाविद्यालय में गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के झील रोड स्थित सांस्कृतिक विकास केन्द् संगीत महाविद्यालय के 'राजन बाबू' सभागार कला साधकों ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को सुरमई श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम मे प्रशिक्षुओं ने गीत संगीत के माध्यम से समाँ बाँध दिया। कार्यक्रम में संगीतकारों, साहित्यकारों एवं बुद्धिजीवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत गुरुदेव के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय के केन्द्र अधीक्षक अशोक सिन्हा ने गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुदेव जितने बड़े साहित्यकार थे उतने हीं बड़े, कवि, दार्शनिक नाटककार, चित्रकार एवं संगीतकार भी थे। वे विश्व के एकमात्र कवि हैं जिनकी दो रचनाएं दो देशों का राष्ट्रगान बनी। भारत का राष्ट्रगान ' जन गण मन' और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गीत 'आमार सोनार बांग्ला' गुरुदेव की हीं रचनाएँ हैं। विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय की मुख्य सचिव शोभा सिन्हा ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर जी को 'गुरुदेव' की उपाधि गाँधीजी ने उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों और शांतिनिकेतन के माध्यम से ज्ञान प्रसार के लिए दी थी। रवींद्र नाथ टैगोर ने हीं सबसे पहले गाँधी जी को महात्मा शब्द से संबोधित किया था महाविद्यालय की प्राचार्य नीशु राज ने कहा कि गुरुदेव का प्रभाव केवल साहित्यिक जगत तक हीं सीमित नहीं है बल्कि वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। बंगाली लोक परंपराओं और भक्तिमय भावों से ओतप्रोत उनकी संगीत रचनाएँ विभिन्न विधाओं के संगीतकारों को प्रेरित करती रहती है। संगीत शिक्षक विवेक पाण्डे ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि गुरुदेव की जयंती साहित्य, संस्कृति और मानवता का अमर उत्सव है। संतोष कुमार 'सुमन' ने कहा कि गुरुदेव की जयंती भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने का प्रेरणादायक अवसर है।

जनगणना कार्य हेतु प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड मुख्यालय सभागार एवं बीपीआरओ हॉल में आयोजित जनगणना कार्य हेतु प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण छठे बैच के तहत आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया। कुल सात बैचों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों ने जनगणना के प्रथम चरण की प्रक्रिया को गंभीरता एवं विस्तारपूर्वक बताया गया । प्रथम चरण में संबंधित क्षेत्र का भ्रमण कर सूक्ष्म अवलोकन करना होगा तथा उसके आधार पर नजरी नक्शा तैयार किया जाएगा। इसके बाद मोबाइल ऐप के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। जो 16 मई से 14 जून तक संचालित होगा।वहीं जनगणना का दूसरा चरण 9 फरवरी 2027 से शुरू होकर 28 फरवरी 2027 की मध्यरात्रि तक चलेगा। प्रशिक्षण में अधिकारियों ने शिक्षकों से पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।मौके पर अपर चार्ज पदाधिकारी इंदु शेखर प्रसाद, ट्रेनर रविकांत पाठक, देवकांत शर्मा एवं दीपक राणा, इजहार अली अंसारी उपस्थित रहे। वहीं प्रशिक्षु शिक्षकों में कृष्ण कुमार कन्हैया, सुधा कुमारी, राजदीप कुमार, गोपाल प्रसाद दांगी, कुमार सुनील, राजेंद्र प्रजापति, बिरेंद्र कुमार, देवनाथ कुमार, शमीम अंसारी सहित दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

कोनरा के प्राचीन भगवती मंदिर में निकली भव्य कलश यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड के कोनरा स्थित प्राचीन भगवती मंदिर के जीर्णोद्धार के उपरांत गुरुवार को श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ एवं हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से निकली इस धार्मिक शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। कलश यात्रा का शुभारंभ बरही विधायक मनोज यादव द्वारा मुख्य जजमान को कलश प्रदान कर किया गया। वहीं हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल भी मुख्य रूप से इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए और श्रद्धालुओं के साथ यात्रा में सहभागिता निभाई।कलश यात्रा में मुख्य यज्ञाचार्य जयनंदन मिश्रा महाराज एवं आचार्य ऋषिराज वेदव्यास मिश्रा ने पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस अवसर पर आचार्य महेंद्र पांडे एवं कथाव्यास शेखर सुमन शास्त्री भी उपस्थित रहे। पूजन-अनुष्ठान में यजमान के रूप में ब्रह्मदेव केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी मालती देवी, दिवाकर प्रसाद केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी सुदामा देवी तथा महेंद्र प्रसाद केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता देवी ने विधिवत देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा में भाग लिया। श्रद्धालु सूर्य मंदिर नदी पहुंचे, जहां से पवित्र जल भरकर कलश को मंदिर परिसर लाया गया और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ स्थापित किया गया। यज्ञाचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवी-देवताओं का आह्वान कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस मौके पर जयनंदन मिश्रा महाराज एवं ऋषिराज वेदव्यास मिश्रा ने कहा कि शतचंडी महायज्ञ समाज में सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि यज्ञों के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते थे और आज भी इस परंपरा को आगे बढ़ाना आवश्यक है। नौ दिवसीय इस महायज्ञ को लेकर कोनरा सहित पूरे बरही क्षेत्र में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। महायज्ञ समिति कोनरा आयोजन को सफल एवं निर्विघ्न संपन्न कराने में जुटी हुई है। इस अवसर पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को एकता और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता मजबूत होती है और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। वहीं बरही विधायक मनोज यादव ने कहा कि कोनरा के प्राचीन भगवती मंदिर का जीर्णोद्धार और महायज्ञ का आयोजन क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों के बीच आपसी प्रेम एवं भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। कलश यात्रा में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, परमेश्वर यादव, सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राजसिंह चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, नागेश्वर रजक, बलराम केशरी, भाजपा युवा नेता आकाश जायसवाल, मनोज केशरी, छोटन ठाकुर, पिंटू चन्द्रवंशी, कैलाश ठाकुर, बबलू ठाकुर, विजय साव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में महायज्ञ समिति के संरक्षक भगवान केशरी, संजय सिंह समेत सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने सक्रिय योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया ब्रह्मदेव भुइयां ने बच्चों के बीच बांटे स्कूली बैग और पोशाक

चौपारण : प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्राम दुरागड़ा स्थित मध्य विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच स्कूली बैग एवं पोशाक का वितरण किया गया।कार्यक्रम का आयोजन पंचायत के मुखिया ब्रह्मदेव भुइयाँ के नेतृत्व में हुआ। वितरण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बना रहा और बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। मुखिया ब्रह्मदेव भुइयाँ ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि स्कूली बैग और पोशाक मिलने से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी तथा अभिभावकों को भी आर्थिक सहारा मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित नरेश सिंह ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि इस तरह की योजनाओं से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और विद्यालय में उनकी उपस्थिति में भी सुधार देखने को मिलता है। कार्यक्रम में शिक्षकगण, अभिभावक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

एनटीपीसी ने छात्राओं के बीच सिलाई मशीन का किया वितरण

बड़कागांव : एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, कटकमदाग में छात्राओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम जागृति महिला संघ के सहयोग से आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जागृति महिला संघ की अध्यक्षा अनिता दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।उन्होंने विद्यालय की बालिकाओं को सिलाई मशीन प्रदान करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास भी आज के समय की आवश्यकता है। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनमें स्वरोजगार के प्रति आत्मविश्वास विकसित करना है।

आईसीएआर के द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों के बीच निःशुल्क बीज वितरण

बड़कागांव : बादम में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गौरिया करमा के द्वारा अनुसूचित जाति उप परियोजना अंतर्गत निशुल्क बीज वितरण सह किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गरमा फसल में मक्का सहित भिंडी, करेला, लौकी, टमाटर, मिर्ची, झींगा, नेनुआ का बीज वितरित किया गया। तकनीकी अधिकारी अरुण कुमार रजक ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर इस बीज का उचित इस्तेमाल किया गया तो आगे चल कर खरीफ फसल का भी बीज किसानों के बीच वितरण किया जाएगा। जिस किसान का प्रदर्शन अच्छा रहेगा उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और खेती के लिए उपकरण भी संस्था के द्वारा दिया जाएगा। जो भी बीज किसानों को दिया गया है वह उन्नत किस्म का बीज है। आईसीएआर के परिसर प्रभारी डॉ सनत महंता, डॉ विशाल नाथ, नोडल अधिकारी, कृष्ण प्रकाश, डॉ पंकज सिन्हा के नेतृत्व में तकनीकी अधिकारी अरुण कुमार रजक के द्वारा सभी उपस्थित किसानों के बीच बीज का वितरण किया गया। मौके पर बादम पंचायत की मुखिया सुनीता देवी, पंचायत समिति सदस्य रमणिका कुमारी, तुलसी महतो, गीता देवी, ज्योति देवी, प्रेमलता कुमारी, आरती वर्मा, पूनम पांडे, पिंकी कुमारी, कंचन कुमारी सहित दर्जनों किसान महिलाएं उपस्थित थी।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रमों की बनी रणनीति

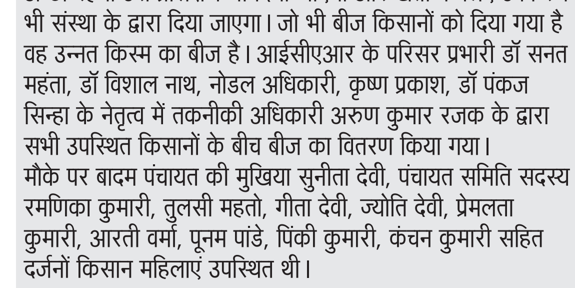

बड़कागांव : बड़कागांव पूर्वी, उरीमारी मंडल भारतीय जनता पार्टी की मासिक संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष विजय यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन बड़कागांव विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी ने किया। बैठक में मंडल प्रभारी एवं केरेडारी के पूर्व मंडल अध्यक्ष बद्रीनारायण सिंह मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा शक्ति केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन मजबूती के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति बैठक में संगठनात्मक विस्तार के तहत विभिन्न शक्ति केंद्रों के लिए नए प्रभारियों की घोषणा की गई। नयाटांड से विनोद महतो, हरली से भागीरथ ठाकुर, बादम से देवंती देवी, गोंदलपुरा से कुंवर महतो, चौपदार बलिया से हीरालाल साव, नापो खुर्द से सुमन गिरी, तलसवार से विनीता देवी, अंगों से ज्ञानचंद महतो, पोटंगा से मेघन यादव, उरीमारी से नारायण महतो तथा गरसुला से विजय यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त प्रभारियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने का निर्देश दिया गया। अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाना भाजपा का लक्ष्य : बद्रीनारायण सिंह जिला महामंत्री बद्रीनारायण सिंह ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और सुरक्षा पहुंचाना है।

एक नजर

डॉ मयंक मुरारी के चार पुस्तकों का आज होगा विमोचन

रांची : झारखड के वरिष्ठ लेखक और चिंतक डॉ मयंक मुरारी की भारतीय सभ्यता और दर्शन पर लिखीं चार किताबों का आज विमोचन किया जायेगा। डॉ मयंक द्वारा लिखित चार पुस्तकें जंबूद्वीपे-भरतखंडे, सनातन उत्सव का देश, जनजातीय शूरवीरों की गाथाएं और ट्राइब्ल व्रेबहार्ट (दो किताब के सहलेखक अचल प्रियदर्शी) को प्रभात प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। इसका लोकापर्ण समारोह आगामी नौ मई, दिन शनिवार को प्रभात प्रकाशन, नजदीक गुरुनानक अस्पताल, स्टेशन रोड में शाम तीन बजे से आहुत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस के वरिष्ठ स्वयंसेवक और अखिल भारतीय ग्राम विकास टोली सदस्य डॉ सिद्धनाथ सिंह तथा मुख्य वक्ता के तौर पर पद्मश्री बलबीर दत्त उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा अनुज सिन्हा और प्रमोद झा इन किताबों पर अपनी विचार रखेंगे। डॉ मयंक मुरारी का संपूर्ण लेखन का उद्देश्य भारतीय जीवन और संस्कृति की ज्ञानात्मक समृद्धि से परिचय कराना, इतिहास, परंपरा और विरासत का वैज्ञानिक विश्लेषण करना और आदिवासी तथा लोकजीवन में निहित नैतिक एवं जीवन मूल्यों को प्रस्तुत करना है। प्राचीन भारत की ज्ञान परंपरा के उपयोगी एवं अनुकरणीय तत्वों का वर्तमान सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उसकी उपयोगिता एवं आवश्यकता पर चिंतन व शोध करते है। उन्होंने 30 सालोंमें अभी तक 21 से अधिक किताबें और 800 से अधिक रिपोर्ट, भारतीय समाचार पत्र और पत्रिका मेंलिख चुके हैं। इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। वह उषा मार्टिन में महाप्रबंधक सीएसआर और पीआर के रूप में काम कर रहे हैं, जहांपिछले 15 सालों से गांवों के टिकाऊ विकास के प्रति संकल्पित है। वह हमारे समाज की सामूहिक जागरूकता के लिए विभिन्न मंचों से व्याख्यान भी देते है।

मां बग्ला मंदिर में जरूरतमंदों के बीच भोजन और पानी का वितरण

रांची : भारतीय एकता कमेटी की ओर से शुक्रवार को काली अस्थान रोड स्थित मां बंगला मंदिर परिसर में जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन के डब्बे, पानी की बोतल और मिठाई के लिए राशि का वितरण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने किया। इस दौरान गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मानवता और इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद, गरीब और बीमार लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा नेक कार्य है। समाज के सभी लोगों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। यदि लोग मिल-जुलकर मानव सेवा के कार्यों में भागीदारी निभाएं तो कई जरूरतमंदों को राहत मिल सकती है। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में मौजूद लोगों के बीच भोजन सामग्री और पानी का वितरण किया गया।

पानी, सफाई और टैक्स वसूली पर विभाग सख्त
प्रधान सचिव ने नगर निकायों को दिए कई अहम निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में बढ़ती गर्मी को देखते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग ने सभी नगर निकायों को पेयजल आपूर्ति दुरुस्त रखने का निर्देश दिया है।

विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शुक्रवार को जुपमी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में साफ कहा कि किसी भी इलाके में पेयजल संकट की स्थिति नहीं बननी चाहिए। उन्होंने जलापूर्ति से वंचित क्षेत्रों की सूची तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराने और जरूरत के अनुसार नए जलस्रोत व जलमीनार विकसित करने का निर्देश दिया।

इस बैठक में नगर निकायों की योजनाओं और जुडको के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रधान सचिव ने नगर निकायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूजर्स चार्ज और होल्डिंग टैक्स की वसूली अभियान चलाकर तेज की जाए। सरकारी और निजी संस्थानों से लंबित होल्डिंग टैक्स की वसूली के लिए समन्वय स्थापित करने को कहा गया। औद्योगिक क्षेत्रों के टैक्स संबंधी मामलों पर अलग से बैठक करने का भी निर्देश दिया गया।

प्रधान सचिव ने कहा कि जिन नगर निकायों में बस स्टैंड नहीं हैं, वहां जल्द प्रस्ताव भेजे जाएं। पुराने बस स्टैंडों की मरम्मत और बड़े शहरों में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल यानी आईएसबीटी के निर्माण के लिए भी योजना तैयार करने को कहा गया। इसके अलावा सामुदायिक भवन, मल्टीपरपज हॉल और सड़क चौड़ीकरण की योजनाएं भी विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया।

स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी विभाग ने कड़ा रुख अपनाया। प्रधान सचिव ने डोर-टू-डोर कचरा उठाव की नियमित मॉनिटरिंग करने, कचरे के सही निष्पादन और पृथक्करण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। खराब प्रदर्शन करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाने तक की बात कही गई। विशेष तौर पर रांची में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को प्रभावी बनाने के लिए जनजागरुकता अभियान चलाया जाए। नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का सुझाव भी दिया गया।

इस बैठक में सुडा निदेशक सूरज कुमार ने खराब पड़े चापाकलों की सूची तैयार कर उनकी मरम्मत कराने का निर्देश दिया। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के बेहतर संचालन पर भी जोर दिया गया ताकि झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सके। इस बैठक में डीएमए निदेशक नैंसी सहाय, रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

तैराक इशांक सिंह को 'रिलेशंस' संस्था ने किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के सात वर्षीय नन्हे जांबाज इशांक सिंह ने समुद्र की लहरों पर अपनी जीत की कहानी लिखकर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। भारत और श्रीलंका के बीच स्थित खतरनाक पाल्क स्ट्रेट को पार कर विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले इशांक को शुक्रवार को सामाजिक संस्था 'रिलेशंस' की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इशांक ने 30 अप्रैल 2026 को करीब 9 घंटे 50 मिनट तक लगातार समुद्र की उफनती लहरों से मुकाबला करते हुए पाल्क स्ट्रेट को पार किया था। आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, जहां बच्चे मोबाइल-टीवी में सिमट रहे हैं, इशांक का खेल के प्रति यह जुनून नई पीढ़ी के लिए एक बड़ी मिसाल है। इस सफलता में इशांक की माता मनीषा सिन्हा और पिता सुनील कुमार के सही मार्गदर्शन और त्याग की भी प्रशंसा की गई।

संस्था ने भरोसा दिलाया कि इशांक को भविष्य में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा ताकि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का तिरंगा लहराते रहें। इस सम्मान समारोह के दौरान इशांक के माता-पिता समेत संस्था के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। इशांक की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद से ही उन्हें देश के कोने-कोने से बधाइयां मिल रही हैं।

> इशांक ने न केवल रांची और झारखंड, बल्कि पूरे भारत का नाम वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों को साहसिक खेलों के प्रति प्रेरित करेगी।
>
> — आशुतोष द्विवेदी, निदेशक, रिलेशंस

हवाई नगर स्थित आवास पर सम्मान समारोह

संस्था के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने इशांक के हवाई नगर स्थित आवास पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने इशांक को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनकी असाधारण प्रतिभा की सराहना की। द्विवेदी ने कहा कि समुद्र जैसी कठिन चुनौती को इतनी कम उम्र में पार करना इशांक के अद्भुत साहस, कड़े अनुशासन और अटूट परिश्रम का प्रमाण है।

विधायक सरयू राय ने राज्यपाल को 'गंगा दशहरा' के लिए दिया न्योता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के सदस्य और वरिष्ठ विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को रांची स्थित राजभवन (लोक भवन) में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को आगामी धार्मिक और सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

मुलाकात का मुख्य उद्देश्य राज्यपाल को 25 मई को चूल्हापानी में आयोजित होने वाले भव्य 'गंगा दशहरा' कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करना था। चूल्हापानी, जिसे दामोदर नदी का उद्गम स्थल माना जाता है, वहां हर साल गंगा दशहरा के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

सरयू राय ने राज्यपाल को कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान सरयू राय ने राज्यपाल को कार्यक्रम की रूपरेखा और जल संरक्षण व नदियों की स्वच्छता से जुड़े विषयों पर भी जानकारी दी। 'गंगा दशहरा' के अवसर पर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर श्रद्धालुओं के जुटने और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन की तैयारी है।

विधायक सरयू राय लंबे समय से नदियों की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों को उठाते रहे हैं। चूल्हापानी का यह कार्यक्रम भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है।

झारखंड को बड़ी ऊर्जा राहतः 220 केवी डुमका-गोविंदपुर लाइन शुरू
अब 450 मेगावाट तक बिजली आपूर्ति संभव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की चरमराती बिजली व्यवस्था के लिए गुरुवार का दिन एक बड़ी सौगात लेकर आया। बहुप्रतीक्षित 220 केवी डुमकाझगोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन के एक सर्किट के एलआईएलओ का चार्जिंग कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। इस उपलब्धि के बाद अब राज्य को 'नॉर्थ करणपुरा ट्रांसमिशन लिमिटेड' से करीब 450 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिल सकेगी।

वर्तमान में इस नई लाइन के जरिए डुमका क्षेत्र को 103 मेगावाट और गोविंदपुर ग्रिड को 80 मेगावाट बिजली मिलनी शुरू हो गई है। इस लाइन के पूरी क्षमता से चलने पर धनबाद, बोकारो और दुमका जैसे इलाकों में होने वाली अघोषित कटौती और लोड शेडिंग की समस्या लगभग समाप्त हो जाएगी। पीक डिमांड के समय यह अतिरिक्त 450 मेगावाट बिजली झारखंड के लिए 'लाइफलाइन' साबित होगी।

इस ट्रांसमिशन लाइन के चालू होने से झारखंड के आधे से अधिक हिस्से को लाभ पहुंचेगा। प्रभावित जिलेः दुमका, साहिबगंज, पाकुड़, देवघर, गिरिडीह, धनबाद और बोकारो। लाभान्वित ग्रिड सबस्टेशनः गोविंदपुर, चंदनकियारी, जैनामोड़, महारो, लालमटिया, अमड़ापाड़ा, जसीडीह, बरहेट और सरिया। झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के अभियंताओं और साइट टीमों की कड़ी मेहनत के कारण यह जटिल कार्य समय पर पूरा हो सका। अधिकारियों के अनुसार, इस नए इंफ्रास्ट्रक्चर से न केवल बिजली की मात्रा बढ़ेगी, बल्कि आपूर्ति में स्थिरता भी आएगी।

एक दिवसीय बीएलए प्रशिक्षण शिविर संपन्न, प्रमाण पत्रों का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा/रांची : झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेशानुसार अनगड़ा प्रखण्ड स्थित डाक बंगला में एक दिवसीय 'बूथ स्तरीय अभिकर्ता' (बीएलए) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित कार्यकताओं को 'बीएलए-2' प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। शिविर की अध्यक्षता और संचालन जिला कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा ने किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तरीय अभिकर्ता ही संगठन की असली शक्ति और पार्टी के मुख्य स्तंभ हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे सरकारी 'बूथ स्तरीय अधिकारियों' (बीएलओ) के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें और मतदान केंद्र की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जमीनी स्तर पर टीम की मजबूती ही चुनावी सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

खिजरी विधायक श्री राजेश कच्छप ने प्रशिक्षण सत्र के दौरान कार्यकताओं को चुनाव की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने मतदाता सूची के सत्यापन, नए मतदाताओं को जोड़ने और प्रभावी बूथ प्रबंधन के गुर सिखाए। उन्होंने कार्यकताओं को चुनौतियों का सामना करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रेरित किया।

जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन को सशक्त बनाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मोहम्मद हुसैन अंसारी और पुनीत तिग्गा ने कार्यकताओं को तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी दी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एतवा उरांव, राजेन्द्र मुण्डा, श्रवण मुण्डा, दीपा उरांव, रेजाक अंसारी, योगेन्द्र बेदिया, कुलेश्वर मुण्डा, जोन तिग्गा, अजय तिर्की बड़ी संख्या में पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रद्धा और भक्ति का केंद्र कोननगरः श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम में उमड़ती है भक्तों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची/कोननगर : मां काली की महिमा और उनके प्रति अटूट विश्वास का संगम पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में देखने को मिलता है। हुगली के उत्तरपाड़ा थानांतर्गत जीटी रोड (पूर्व) स्थित साधुर घाट पर बना कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम आज लाखों भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। पवित्र गंगा नदी के किनारे स्थित यह मंदिर न केवल धार्मिक साधना, बल्कि अपनी वास्तुकला और मनोरम दृश्यों के लिए भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

1911 से प्रज्वलित है भक्ति की ज्योति

इस ऐतिहासिक मंदिर की स्थापना वर्ष 1911 में मां काली के अनन्य भक्त स्व. सूर्य नारायण सरस्वती के नेतृत्व में स्थानीय श्रद्धालुओं के सहयोग से की गई थी। मंदिर में मां काली की भव्य प्रतिमा के साथ-साथ भगवान राधा-कृष्ण और शिवलिंग भी स्थापित हैं, जो भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। वर्तमान में यह आश्रम हुगली जिले की काली पूजा और आनंदमयी परंपरा का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

सामाजिक सेवा और अध्यात्म का संगम

मंदिर का संचालन 'कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम कमेटी' द्वारा किया जाता है। कमेटी के कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार बनर्जी ने बताया कि आश्रम के सभी पदाधिकारी सेवानिवृत्ति के बाद अपना पूर्ण समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में समर्पित करते हैं।

प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी को मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। हर अमावस्या को भक्तों के बीच विशेष भोग प्रसाद का वितरण किया जाता है। दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए आश्रम में चार कमरे उपलब्ध हैं और चार नए कमरों का निर्माण प्रस्तावित है। यहाँ अन्नप्राशन और उपनयन जैसे संस्कारों के लिए रियायती दर पर सुविधाएं दी जाती हैं।

समर्पित प्रबंधन और महिला शक्ति

आश्रम के अध्यक्ष गौतम पाल, सचिव दिलीप कुमार कुंडू और कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार बनर्जी की सक्रियता से मंदिर की व्यवस्था सुचारू रूप से चलती है। श्री बनर्जी की पत्नी रूना बनर्जी के नेतृत्व में महिला श्रद्धालु भी मंदिर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। पुरोहित जयंत चक्रवर्ती, शुभम मुखर्जी, चिन्मय चक्रवर्ती और उदयेश चक्रवर्ती निरंतर भक्तों की सेवा में तत्पर रहते हैं।

मानवता की सेवा ही सर्वोपरि

केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि यह आश्रम पीड़ित मानवता की सेवा के लिए भी प्रतिबद्ध है। समय-समय पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए वस्त्र वितरण और भोजन वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

गंगा के तट पर स्थित इस आश्रम में भक्त साधना और कीर्तन के माध्यम से शांति की अनुभूति करते हैं। हुगली के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों जैसे ममलखा गांव का काली मंदिर और हंगसेश्वरी मंदिर के दर्शन करने वाले श्रद्धालु भी विश्राम और आध्यात्मिक शांति के लिए इस आश्रम में जरूर रुकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मारवाड़ी युवा मंच की समर्पण शाखा ने की गो सेवा

रांची : गो सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। गौ माता को भारतीय संस्कृति में मां का दर्जा दिया गया है। गो की सेवा से न केवल पुण्य मिलता है, बल्कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और समाज में संतुलन भी बना रहता है। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से सत्र (2026-27) के अंतर्गत प्रति माह आयोजित होने वाले गौ सेवा कार्यक्रम शुक्रवार को की गई। हरमू रोड स्थित रांची गौ न्यास गौशाला में यह सेवा कार्य शाखा की सक्रिय सदस्या कोमल पोद्दार की ओर से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान गौ माता को लाल साग, मूली, चारा सहित अन्य खाद्य सामग्री खिलाकर गौ सेवा की गई। शाखा की सभी महिला सदस्यों ने श्रद्धा और सेवा भाव से सहभागिता निभाई और गौ सेवा के माध्यम से पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्षा शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका, कविता सोमानी, सौम्या सामोता, कोमल पोद्दार, वेदिका सिंघानिया, निशी सराफ, शिल्पी लोहिया, पायल जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थीं।

नारी शक्ति सेना गुलाबी गैंग के जिला स्तरीय कमेटी का विस्तार

रांची : झारखंड में महिला हितों के संरक्षण के प्रति जागरुक संस्था नारी शक्ति सेना (गुलाबी गैंग) का विस्तार सभी जिलों में किया जा रहा है। इस संबंध में संस्था की अध्यक्ष पूर्व जैक पार्षद रानी कुमारी ने बताया कि राज्य के सभी जिला मुख्यालय में नारी शक्ति सेना गुलाबी गैंग का गठन किया जा रहा है। कमेटी में जिला अध्यक्ष सहित अन्य पदधारी होंगे, जिनके जिम्मे संस्था के सदस्य बनाने का दायित्व होगा। इस संबंध में विभिन्न जिला में समिति गठित करने के लिए नारी शक्ति सेना से जुड़ी महिलाओं को पत्र प्रेषित किया जा रहा है। वह जिला स्तर पर अपने स्तर से समिति का गठन और सदस्यता अभियान चलने के लिए अधिकृत होंगी। रानी कुमारी ने बताया कि यथाशीघ्र राजधानी रांची में नारी शक्ति सेना गुलाबी गैंग का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है।

झारखंड के पांच जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची : झारखंड के पांच जिलों में शनिवार को तेज बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार कई क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। राज्य के मध्यवर्ती जिलों रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग और बोकारो में बारिश के साथ ओलावृष्टि और वज्रपात होने की संभावना है। विभाग ने शुक्रवार को भी राज्य के उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 43.8 मिलीमीटर बारिश हजारीबाग जिले के कोनार डीवीसी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा राज्य के कई अन्य इलाकों में भी मध्यम दर्जे की वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके क्षेत्र में 15.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, हालांकि बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहे। मौसम साफ होने के कारण दोपहर के समय लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। तापमान की बात करें तो शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री और न्यूनतम 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 35.1 डिग्री और न्यूनतम 21.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 37.7 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 30.1 डिग्री और न्यूनतम 19.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री और न्यूनतम 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

श्रम कानूनों को लागू करने की मांग को लेकर 14 को श्रम कार्यालय का घेराव : भवन सिंह

रांची : रांची नगर निगम के दैनिक कर्मियों और स्वच्छता निगम लिमिटेड के मजदूर 14 मई को डोरंडा स्थित श्रम कार्यालय का घेराव करेंगे। झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन की ओर से यह प्रदर्शन श्रम कानूनों को लागू कराने और लंबित मांगों के समर्थन में आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2025 को यूनियन और प्रशासन के बीच हुई वार्ता में अपर आयुक्त संजय कुमार ने मजदूरों की विभिन्न मांगों पर सहमति जताई थी, लेकिन अब तक उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यूनियन की प्रमुख मांगों में मातृत्व अवकाश, वार्षिक अवकाश, आकस्मिक अवकाश सहित अन्य वैधानिक छुट्टियों का लाभ देने के साथ-साथ न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपये निर्धारित करना शामिल है। भवन सिंह ने आरोप लगाया कि श्रम विभाग टालमटोल की नीति अपना रहा है और वाताओं में विभाग की ओर से प्रतिनिधि भी उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इसी के विरोध में श्रम कार्यालय के घेराव का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सभी मजदूरों से 14 मई को दोपहर दो बजे तक मेकन गेट, डोरंडा पहुंचने की अपील की है। वहां से तीन बजे जुलूस के रूप में श्रम कार्यालय के लिए रवाना हुआ जाएगा। यूनियन ने एमटीएस और नगर निगम के सभी मजदूरों से बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है।

हेसल ढीपा में सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास, ग्रामीणों में खुशी की लहर

अनगडा : हेसल पंचायत हेसल ढीपा में पुरुलिया सड़क से मुस्तफा अंसारी के खेत तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया शिलान्यास कार्य क्रम के दौरान खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल और बुनियादी सुविधाओं का विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है। शिलान्यास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताई और कहा कि सड़क बनने से आवागमन में काफी सुविधा होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख दीपा उरांव विधायक प्रतिनिधि सरवन मुंडा साकीर अंसारी रामनाथ करमाली पंचायत समिति सदस्य शीला देवी एतवा उरांव, राजेन्द्रर मुण्डा दीपा उरांव, रेजाक अंसारी, योगेन्द्रर बेदिया, कुलेश्वर मुण्डा,जोन तिग्गा, अजय तिर्की , साकिर अंसारी,सरिता देवी, , जोन तिग्गा, सचिन नायक, संजय नायक, अजय करमाली, आशिष मुण्डा, विशाल स्वांसी आदि उपस्थित रहें।

एक नजर

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

झुमरी तिलैया : विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया शाखा द्वारा शुक्रवार सुबह झंडा चौक के निकट ओवरब्रिज पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 75 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। मंच के उपाध्यक्ष प्रतीक संघई ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच सामाजिक सरोकारों से जुड़ा संगठन है और समाजहित में निरंतर कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है तथा मंच का प्रत्येक सदस्य सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहा है। परियोजना निदेशक आशीष शर्मा एवं रोहित संघई ने कहा कि विश्व थैलेसीमिया दिवस का उद्देश्य लोगों को इस गंभीर रक्त संबंधी बीमारी के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, सही जानकारी और नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता से थैलेसीमिया जैसी बीमारी की रोकथाम में महत्वपूर्ण सहयोग मिल सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इस विषय में जागरूक होकर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। सचिव अतुल खेतान और कोषाध्यक्ष महावीर खेतान ने कहा कि मंच समय-समय पर गौ सेवा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, अमृत धारा, कन्या भ्रूण संरक्षण, स्वास्थ्य शिविर तथा स्वच्छता अभियान जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करता रहा है।
कार्यक्रम में संयोजक अर्जुन संघई, विकास जैन, शिवेश पचीसिया, उमंग कंदोई , हर्षदीप भाटिया तकनीशियन मनोज सिंह एवं संतोष यादव उपस्थित थे।

एमवीआई ने 24 वाहनों से वसूला 39 हजार रुपये जुर्माना

पश्चिमी सिंहभूम : जिला परिवहन कार्यालय की ओर से शुक्रवार को चक्रधरपुर के कब्रिस्तान रोड के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।
अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक (इमवीआई) नेल्सन तिर्की और कृष्णा सोरेन ने किया। इस दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर वाहनों की जांच की गई। जांच अभियान में दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट और चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से जुमार्ना वसूला गया।
इमवीआई ने बताया कि जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालकों की संख्या अधिक पाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों में हेलमेट का उपयोग नहीं करने के कारण दुर्घटना के दौरान लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट की उपयोगिता को समझने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने की अपील की।
अभियान के दौरान कुल 24 वाहनों की जांच में नियम उल्लंघन पाए जाने पर 39 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। जिला परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस तरह का अभियान आगे भी लगातार चलाया जाएगा।

पानी-बिजली समस्या को लेकर भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा के द्वारा जिले में व्याप्त पानी और बिजली की समस्या के समाधान को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार के विरुद्ध गांधी चौक कोडरमा से जिला उपायुक्त कार्यालय तक घड़ा लेकर आक्रोश प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने "हेमंत सोरेन हाय-हाय", "हेमंत सोरेन मुदार्बाद", "पानी दो, बिजली दो, नहीं तो गद्दी छोड़ दो" एवं "जो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी है। जैसे नारों से पूरे शहर को गुंजायमान कर दिया ।सभी लोगों ने घड़ो को उपयुक्त कार्यालय के सामने फोड़ा ।
कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष Anup Joshihi ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष Rakesh Prasad उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने

हाथों में घड़ा लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग की।
भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष Rakesh Prasad ने कहा कि झारखंड सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। भीषण गर्मी में लोग पानी और बिजली की समस्या से परेशान हैं, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की आवाज को सड़क से सदन तक उठाने का काम करेगी। भाजपा जिला अध्यक्ष Anup Joshihi ने कहा कि कोडरमा जिले में लगातार बिजली कटौती और पेयजल संकट से आमजन त्रस्त हैं। पानी कि मोटर जलने से पंद्रह दिनों से पानी नहीं मिल रहा है और नगर परिषद और स्त्रौ का कहना मोटर बनेगी तो पानी मिलेगा तब तक जनता त्राहिमाम करें । भ्रष्टाचार के लिए पैसा है पर नई मोटर खरीदने का पैसा सरकार के पास नहीं है । ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक लोग परेशान हैं, लेकिन राज्य सरकार केवल वादे करने में व्यस्त है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही पानी और बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भाजपा जनहित में और बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष ,संगीता सिन्हा, राजकुमार यादव, सुभाष मोदी, गोपाल कुमार गुतुल, जिला महामंत्री बिजय यादव, नरेंद्र पाल, जिला मंत्री सुनीति सेठ, रामप्रसाद साव, मनोज चौधरी, सबिता देवी, मण्डल अध्यक्ष संजय पासवान, प्रिया देवी, इंद्रदेव वर्णवाल, नवीन चौधरी,नन्द किशोर सोनी, मनोज साव, रणजीत सिंह, सुनील भारती, सुनील यादव, चंदन पासवान, सुजीत मेहता, संजय शर्मा,पारिजात सिंह,पप्पू भदानी, साकेत सिंह, अछय वर्णवाल, मनोज मेहता, लक्ष्मी वर्णवाल, कुसुम देवी, ललिता देवी, मनीता देवी, प्रीति देवी, सन्तु देवी, ललिता देवी, पूजा देवी, रीना देवी, बसंती देवी, बबीता देवी, मीना देवी,नीतू देवी, सन्दीप गुप्ता, उत्तम कुमार, संजय सिंह, मुकेश यादव, सीताराम भगत, रवि राम, रणजीत राम, सन्दीप सिनहा, चन्दन सिनहा, पिंकी देवी, पूनम देवी, रेखा देवी, रमेश यादव, ब्रह्मदेव यादव, इन्द्रमोद्दी विकास जैन,अंकित गुप्ता, धीरेन्द्र जयसवाल,अजय मोदी, शंकर मोदी, सुदीप्तो घोष, सचिन कपसीमें राहुल कपसीमें शंकर यादव, सौरभ मोदी,रवि गुप्ता, प्रतीक बड़गावे, वेद कुमार, आदि सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल रहे ।

घर में घुसकर महिला-बच्चों से मारपीट भाजपा ने कार्रवाई की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया में असामाजिक तत्वों द्वारा घर में घुसकर महिला एवं बच्चों के साथ मारपीट करने तथा घर खाली नहीं करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में सुभाष मोदी, नरेंद्र पाल एवं शंकर मोदी भी शामिल थे। भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिवार से मिलकर पूरी घटना की जानकारी ली और मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने तिलैया थाना प्रभारी से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने एवं पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध

कराने की मांग उठाई। इस दौरान जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि झुमरी तिलैया में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भाजपा पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और प्रशासन से अविलंब दोषियों की गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई करने की मांग करती है। प्रशासन से अविलंब दोषियों की गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई करने की मांग करती है।

मदर्स डे पर 'माँ के नाम रक्तदान' महाअभियान में 30 यूनिट रक्त संग्रहित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मदर्स डे के पावन अवसर पर मॉडर्न पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया में शुक्रवार को 'माँ के नाम रक्तदान' महाअभियान का आयोजन किया गया। सोनित फाउंडेशन रांची तथा सह सहयोगी आरोग्यं हॉस्पिटल हजारीबाग के सहयोग से लगे इस शिविर में 30 यूनिट रक्त संग्रह कर एक नया कीर्तिमान बनाया गया। विद्यालय की निर्देशिका संगीता शर्मा ने कहा, "माँ वो है जो बिना शर्त जीवन देती है। आज मदर्स डे पर रक्तदान कर हम उसी ममता को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारा एक यूनिट खून किसी माँ की गोद सूनी होने से बचा सकता है।"इस अवसर पर कक्षा 1 से 4 तक के बच्चों के बीच ग्रीटिंग कार्ड एक्टिविटी कराई गई। जबकि

कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों के बीच इंग्लिश स्पीच कंपटीशन कराया गया। जिसमें हंसिका न्यूटन सदन से प्रथम स्थान पर,स्वास्ति द्वितीय और सादिया तृतीय स्थान पर रही। जबकि कक्षा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं के बीच पोएट्री राइटिंग कंपटीशन कराया गया।

'मेरी माँ, मेरी प्रेरणा' बैच लगाकर किया रक्तदानः

शिविर की खास बात रही कि सभी रक्तदाताओं को 'मेरी माँ, मेरी प्रेरणा' का बैच पहनाया गया। सबसे पहले स्कूल प्राचार्य स्थित साथ 15 शिक्षकों ने रक्तदान कर अभियान शुरू किया।
थैलेसीमिया बच्चों को समर्पितः ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. एस के सिंह ने बताया कि संग्रहित रक्त का 60% हिस्सा थैलेसीमिया और एनीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए आरक्षित रहेगा।

मानवता के संदेश के साथ मनाया गया विश्व रेड क्रॉस दिवस, विधायक और डीसी हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी रामगढ़ शाखा द्वारा सामाजिक सेवा और मानवता के प्रति योगदान को लेकर रामगढ़ विधायक ममता देवी और उपायुक्त ऋतुराज को पुष्पगुच्छ एवं रेड फ्लैग पिन लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रेड क्रॉस सोसाइटी की वर्तमान गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस वर्ष विश्व रेड क्रॉस दिवस 2026 की थीम मानवता को जीवित रखना और मानवता में एकता रखी गई, जो मानव सेवा और स्वयंसेवकों के निस्वार्थ योगदान को समर्पित रही। कार्यक्रम में मानवता, सेवा और सामाजिक एकता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

सामाजिक संगठनों के साथ संयुक्त पहल की तैयारी

उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि आने वाले समय में रामगढ़ जिले के सामाजिक संगठनों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि समाजहित और जिले के विकास में सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं समाज सेवा की प्रेरणा देती हैं और जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान रेड क्रॉस सोसाइटी रामगढ़ शाखा द्वारा संचालित योजनाओं और भविष्य की कार्ययोजनाओं को लेकर भी चर्चा की गई। संस्था की ओर से स्वास्थ्य, राहत और जनसेवा से जुड़े कार्यों को और प्रभावी बनाने पर सहमति बनी। मौके पर शाखा अध्यक्ष अनूप कुमार, सचिव इंद्रपाल सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष राहुल जैन और सदस्य निशांत गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा कार्ड बनाना अनिवार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत जिले के निजी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्य प्रगति की समीक्षा को लेकर सिविल सर्जन डॉ अनील कुमार की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निजी अस्पतालों में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को तेजी से लागू करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

हर मरीज का आभा कार्ड बनाना होगा अनिवार्य

बैठक में सिविल सर्जन ने निर्देश दिया कि रामगढ़ जिले के सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले प्रत्येक मरीज का आभा कार्ड बनाना अनिवार्य होगा। साथ ही अस्पताल परिसरों में आभा कार्ड और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से संबंधित जागरूकता सामग्री प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए।

सभी निजी अस्पतालों का पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी

सिविल सर्जन ने कहा कि भारत सरकार के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पोर्टल पर जिले के सभी निजी अस्पतालों का पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराया जाए। बैठक में मौजूद राज्य स्तरीय टीम ने बताया कि मिशन के तहत पंजीकृत सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों का डेटा पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रखा जाएगा। राज्य स्तरीय टीम ने कहा कि जिस प्रकार अन्य क्षेत्रों में डिजिटलीकरण हुआ है, उसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ना केंद्र सरकार का उद्देश्य है। बैठक में सकारात्मक प्रगति के लिए सिविल सर्जन डॉ अनील कुमार और जिला नोडल पदाधिकारी डॉ उदय शंकर श्रीवास्तव ने निजी अस्पताल प्रतिनिधियों की सराहना की।

भुरकुंडा कोलियरी में रैयत विस्थापितों का विरोध प्रदर्शन, खदान काम 24 घंटे में बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सीसीएल बरका सयाल क्षेत्र की भुरकुंडा कोलियरी अंतर्गत संगम खुली खदान शुरू होने के महज 24 घंटे के भीतर रैयत विस्थापित ग्रामीणों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया। रैयत विस्थापित मोर्चा के बैनर तले बड़ी संख्या में महिला और पुरुष पारंपरिक हथियारों के साथ सुबह करीब 10 बजे उत्खनन स्थल पहुंचे और काम बंद करा दिया। आंदोलन के कारण खदान क्षेत्र में गाड़ियों का परिचालन प्रभावित हो गया।

जब तक हक नहीं, तब तक काम नहीं

आंदोलनकारी ग्रामीणों ने स्पष्ट

कहा कि जिनकी जमीन पर खनन हो रहा है, उन्हें ही रोजगार और मुआवजा नहीं मिल रहा। प्रदर्शनकारियों ने "जिसकी जमीन, उसको काम" का नारा लगाते हुए कहा कि जब तक रैयतों को मुआवजा और नौकरी नहीं मिलेगी, तब तक खदान का काम बंद रहेगा।

पूर्वजों की जमीन गई, अब तक नहीं मिला अधिकार

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सीसीएल ने वर्षों पहले विकास के नाम पर पूर्वजों की जमीन अधिग्रहित कर ली, लेकिन आज तक विस्थापित परिवारों को न तो उचित मुआवजा मिला और न ही रोजगार। आंदोलनकारियों ने कहा कि प्रबंधन लगातार सिर्फ आश्वासन देता रहा, लेकिन जमीन गंवाने वाले परिवार आज भी अपने अधिकारों के लिए भटक रहे हैं।

अंतिम सांस तक लड़ाई की चेतावनी

रैयत विस्थापित मोर्चा के बैनर तले जुटे ग्रामीणों ने कहा कि अब वे अपने हक और अधिकार की लड़ाई अंतिम सांस तक लड़ेंगे। आंदोलन में शंकर मांझी, संतोष मांझी, बिहारी मांझी, वीरेंद्र मांझी, रंजीत बेसरा, सन्नी बेसरा, अमित साव, बबलू सोरेन, वरुण मुर्मू, देव मुर्मू, शिवलाल मुर्मू, मिलन यादव, प्रिंस बेदिया, फरका मांझी, अनिल हेम्ब्रम, राजेश मुर्मू, सिकंदर मुर्मू, रानी देवी, सरस्वती देवी, मानसी देवी, ममता देवी, मनीता देवी और सारो देवी सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

मैहर फेरो एलॉय प्लांट में बड़ा हादसा टला, बॉयलर फटने से मची अफरा-तफरी

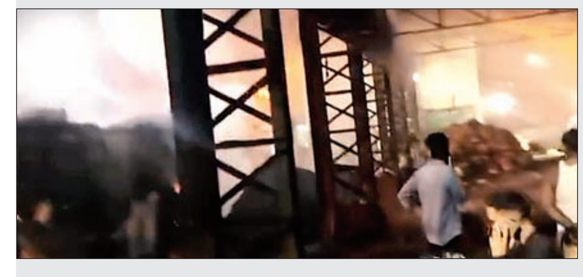

रामगढ़ : कुजू ओपी क्षेत्र के रौता स्थित मैहर फेरो एलॉय प्लांट में बीती रात अचानक बॉयलर फटने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। समय रहते खतरे का सायरन बजने और मजदूरों को सतर्क कर हटाए जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान प्लांट में कार्यरत मजदूर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार प्लांट के बॉयलर में अचानक तापक्रम में भारी बदलाव दर्ज किया गया, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था के तहत तुरंत खतरे का सायरन बजाया गया। सायरन बजते ही वहां मौजूद मजदूर सुरक्षित स्थानों की ओर हट गए। कुछ ही देर बाद तेज आवाज के साथ बॉयलर फट गया, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। घटना के समय यदि मजदूर समय पर बाहर नहीं निकलते तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्लांट परिसर में धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके की ओर दौड़ पड़े। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी मजदूर के घायल होने या जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही कुजू पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं घटना के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी पहलुओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्लांट प्रबंधन से सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने की मांग की है।

सरकारी स्कूल बचेंगे तभी देश का भविष्य मजबूत होगा : रामेश्वर गोप

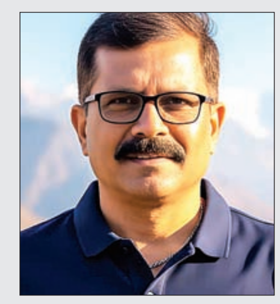

रामगढ़ : सरकारी विद्यालयों की लगातार गिरती स्थिति और निजी स्कूलों की ओर बढ़ते रुझान को लेकर शिक्षा जागरण मंच के सचिव रामेश्वर गोप ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और ग्रामीण परिवारों के बच्चों के सपनों की मजबूत नींव हैं। रामेश्वर गोप ने कहा कि नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि बड़ी संख्या में बच्चे सरकारी स्कूल छोड़ निजी विद्यालयों की ओर जा रहे हैं। यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती असमानता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी विद्यालय कमजोर होते गए तो समाज का बड़ा वर्ग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हो जाएगा। उन्होंने बताया कि कई सरकारी विद्यालय आज शिक्षक की कमी, जर्जर भवन, पेयजल, शौचालय, खेल मैदान और आधुनिक संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं। यही वजह है कि अभिभावक मजबूरी में निजी विद्यालयों का रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और इसे मजबूत सरकारी शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जा सकता है। रामेश्वर गोप ने कहा कि सरकारी स्कूलों के बच्चे किसी भी मायने में कम प्रतिभाशाली नहीं हैं। जरूरत सिर्फ बेहतर माहौल, नियमित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रोत्साहन की है। उन्होंने सरकार से शिक्षकों की नियुक्ति तेज करने, बंद हो रहे विद्यालयों को बचाने और शिक्षा बजट बढ़ाने की मांग की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की कि अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराएं और विद्यालयों की समस्याओं को मिलकर दूर करें। तभी समान, सशक्त और बेहतर शिक्षा व्यवस्था का सपना साकार हो सकेगा।

मटका फोड़ भाजपा का हल्लाबोल, पानी-बिजली संकट पर समाहरणालय तक गरजा जनाक्रोश

रामगढ़ : पेयजल संकट और लगातार हो रही बिजली कटौती के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को रामगढ़ में जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुण्डा और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी विशेष रूप से शामिल हुए। सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर मटका लेकर कोर्ट मोड़ से जिला समाहरणालय तक मार्च निकाला। समाहरणालय पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने मटका फोड़कर विरोध दर्ज कराया। "हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ" और "पानी-बिजली दो" के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। नीलकंठ सिंह मुण्डा ने कहा कि भीषण गर्मी में राज्य की जनता पानी और बिजली संकट से जूझ रही है, जबकि हर घर नल-जल योजना की राशि का सही उपयोग नहीं किया गया। वहीं रोशन लाल चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निर्बाध बिजली आपूर्ति, बढ़ी हुई बिजली दर वापस लेने, जले ट्रांसफार्मरों को बदलने, फर्जी बिजली बिलों की जांच, बंद पड़े चापाकलों की मरम्मत और नल-जल योजना को जल्द पूरा करने की मांग की गई। प्रदर्शन में रणंजय कुमार उर्फ कूंटू बाबू, डॉ. संजय कुमार सिंह, प्रिया करमाली, प्रवीण मेहता, राजीव जायसवाल, राजू चतुवेर्दी, रेखा बेदिया, बबलु साव, रीति श्रीवास्तव, रूपा देवी, संतोष शर्मा, रंजन फौजी, राजेन्द्र कुशवाहा, विजय जायसवाल, सरदार अनमोल सिंह, मनोज गिरि, प्रो आलोक कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और महिलाएं शामिल रहीं।

मारकर गंभीर रूप से घायल करने की आरोपी को 8 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

कोडरमा : ST-34/2022, जमीन विवाद में किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमाकांत मिश्रा की अदालत ने आरोपी 1. विक्रम रजक, 35 वर्ष, डोमचांच जिला-कोडरमा निवासी को 307 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 8 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही जुमार्ना लगाया। वही 5000 रुपए जुर्माना लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर 3 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इसके अलावे 323 IPC में 1 वर्ष, 504 आईपीसी में 1 वर्ष, 506 में 1 वर्ष की सजा भगत नहीं होगी सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगे। मामला वर्ष 2020 का है। इसे लेकर डोमचांच थाना में दीपक रजक ने थाना कांड संख्या 109/2023, दर्ज कराया गया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी गवाहों का परीक्षण कराया गया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनवर हुसैन ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यो का अवलोकन करने के उपरांत अभि अभियुक्त, को 307 सहित अन्य धाराओं में दोषी पाते हुए, 8 वर्ष कारावास की सजा मुकर्रर की और जुमार्ना लगाया।

एक नजर

संदिग्ध अवस्था में युवक और युवती का शव पेड़ से झूलता बरामद

लातेहार : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत कोपे गांव के पास स्थित जंगल में शुक्रवार को युवक और युवती का शव पेड़ से झूलता हुआ बरामद हुआ। मृतक युवक की पहचान कोपे गांव निवासी सुनील कुमार सिंह (24) के रूप में हुई, जबकि युवती भी कोपे गांव की ही रहने वाली थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मृतको के शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुछ ग्रामीणों ने कोपे गांव के निकट स्थित जंगल में युवक और युवती का पेड़ से झूलते हुए देखा। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मृतकों के शव को कब्जे में ले लिया। कुछ ग्रामीणों का कहना था कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। लेकिन युवक की शादी कुछ माह पहले ही हो गई थी। इधर, इस संबंध में थाना प्रभारी प्रभात दास ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह मामला खुदकुशी का ही लग रहा है। लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। मृतकों के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद काफी कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

खूंटी में 14-15 मई को एबीवीपी का प्रतिभा सम्मान समारोह और शिक्षा मेला

खूंटी : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जिला इकाई की ओर से खूंटी में 14 और 15 मई को दो दिवसीय प्रतिभा सम्मान समारोह सह शिक्षा मेला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें उच्च शिक्षा और करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराना है। एबीवीपी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन 14 मई को कक्षा 10वीं और दूसरे दिन 15 मई को कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसमें झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईसीएसई) बोर्ड के ऐसे छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। दो दिवसीय शिक्षा मेला में जिले भर से विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान अनुभवी करियर सलाहकार विद्यार्थियों और अभिभावकों को विभिन्न कोर्स, करियर विकल्प, उच्च शिक्षा और प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी नि:शुल्क उपलब्ध कराएंगे। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने कहा कि ऐसे विद्यार्थी जो पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के कारण आगे की पढ़ाई को लेकर चिंतित हैं, उन्हें इस शिक्षा मेला में जरूर भाग लेना चाहिए।

मानव सेवा के संकल्प के साथ युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

विश्व रेडक्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस पर रक्तदान शिविर में 15 यूनिट रक्त संग्रह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रेड क्रॉस सोसाइटी हजारीबाग शाखा द्वारा विश्व रेड क्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के इंद्रपुरी चौक स्थित रेड क्रॉस भवन में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शहर के युवाओं, समाजसेवियों, विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानवता और सामाजिक सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। रक्तदान शिविर में कुल 15 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता के प्रति मिसाल पेश किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ रेड क्रॉस सोसाइटी हजारीबाग शाखा के सचिव तनवीर सिंह द्वारा स्वयं रक्तदान कर किया गया। इसके बाद एक-एक कर उपस्थित लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में सुबह से ही रक्तदाताओं का पहुंचना शुरू हो गया था और 3 बजे तक लोगों का

उत्साह लगातार बना रहा। रक्तदान करने पहुंचे युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रक्तदान करने वालों में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव तनवीर सिंह, हरगुन, मनीष सिन्हा, रचित ग्रोवर, माजिद, रोहित कुमार, संजय मंडल, चंदन कुमार, अमित देव, विकास देव, नारायण साहू, रौनक ग्रोवर, नीरज कुमार, राम लखन प्रजापति एवं रौनक कुमार शामिल है। शिविर के दौरान रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों द्वारा रक्तदान के महत्व एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को नियमित रक्त की आवश्यकता के संबंध में लोगों को जागरूक भी किया गया। रेड क्रॉस सोसाइटी हजारीबाग शाखा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व रेडक्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर इस सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर सचिव तनवीर सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बड़ा कोई मानव सेवा का कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का काम करता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी स्वस्थ लोगों को समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी भी मरीज को रक्त के अभाव में परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी हमेशा मानव सेवा और सामाजिक कार्यों के लिए तत्पर रहती है।

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव उपप्रमुख की त्वरित कार्रवाई पर बुढ़वा महादेव मंदिर का जल संकट हुआ दूर

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मन्दिर प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण और लोक आस्था का एक ऐतिहासिक केंद्र है। जहां श्रद्धालुओं को प्रेम, भक्ति व विश्वास जुडा है। यह परिक्षेत्र लोगों के लिए शान्ति व आराम का भी केन्द्र बनते जा रहा है। अत्यंत थकान एवं मानसिक तनाव के बाद लोग यहाँ टहलने, विश्राम करने एवं वातावरण का आनन्द लेने आते हैं। किन्तु महादेव के प्रांगण में पिछले एक माह से निरंतर पानी की भारी किल्लत हो रही थी। जल स्रोत सूख जाने व तकनीकी खराबी के कारण भीषण जल संकट की समस्या थी। लेकिन बड़कागाँव प्रखंड उपप्रमुख बचनदेव कुमार की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यशैली के कारण महज 8 घंटों के अंदर मंदिर परिसर में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।भीषण गर्मी के इस मौसम में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं और मंदिर के पुजारियों को पेयजल के लिए काफी संघर्ष करना पड़ रहा था। स्थिति इतनी विकट व भयवाह थी कि मंदिर के आसपास रहने वाले जंगली जीव-जंतु भी पानी की बूंद-बूंद के लिए प्यासे भटक रहे थे। स्थानीय स्तर पर कई बार गुहार लगाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी रही। सूचना मिलते ही उप प्रमुख वचन देव कुमार सक्रिय हो गए। जैसे ही इस गंभीर समस्या की जानकारी बड़कागाँव प्रखण्ड उपप्रमुख बचनदेव कुमार को मिली, उन्होंने इसे प्रमुखता से लिया और बिना समय गंवाए उन्होंने विभागीय कर्मियों एवं संबंधित तकनीशियनों के साथ समन्वय स्थापित किया। उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि मंदिर जैसी पवित्र जगह पर श्रद्धालुओं को पानी से सम्बंधित कोई कष्ट नहीं होना चाहिए, यह कहकर 24 घंटे के अन्दर जल समस्या से समुचित समाधान करने हेतू विभाग को चेतावनी दी। ततपश्चात 24 घंटे का 'मिशन समाधान' महज 8 घंटे में पूरा कर उप-प्रमुख के व्यक्तिगत हस्तक्षेप और निरंतर मॉनिटरिंग का परिणाम रहा।

मदर्स डे पर डायमंड मोंटेसरी में बच्चों ने जीता दिल, माताओं की भावुक प्रस्तुति बनी आकर्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : एसपी कोठी के समीप बीएम कॉम्प्लेक्स स्थित डायमंड मोंटेसरी स्कूल में शुक्रवार को मदर्स डे पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गीत, नृत्य और भावनात्मक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। माताओं ने भी भावुक अंदाज में हिस्सा लेकर मां-बच्चे के अटूट रिश्ते को खूबसूरती से पेश किया। पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा।

निदेशिका लक्ष्मी मेहता ने कहा कि मदर्स डे केवल उत्सव नहीं, मां के प्रति सम्मान, प्रेम और समर्पण प्रकट करने का अवसर है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास व रचनात्मकता बढ़ाते हैं।

उन्होंने बताया कि स्कूल में प्ले से कक्षा पांच तक सीबीएसई पैटर्न पर अंग्रेजी माध्यम में निशुल्क नामांकन चल रहा है। साथ ही समर वेकेशन में पांच दिवसीय समर कैंप होगा, जिसमें बाहर के बच्चे भी भाग ले सकेंगे। इच्छुक अभिभावक स्कूल से संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाएं मानसी, श्रेया, खुशबू, सावित्री देवी, प्रियंका आचार्या, पूजा कुमारी, सलोनी एक्का, रीता कुमारी व बच्चों की माताओं की अहम भूमिका रही।

डीसी ने की भूमि हस्तांतरण से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा

पलामू : पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में भूमि हस्तांतरण से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा की। बैठक में जिले के सभी अंचल अधिकारियों (सीओ) और विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ सरकारी परियोजनाओं व संस्थानों के लिए लंबित भूमि हस्तांतरण प्रस्तावों की बिंदुवार समीक्षा की गई। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि हस्तांतरण से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करें, ताकि विकास योजनाओं व जनहित की परियोजनाओं में देरी न हो।

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग
कालीनगर, चायबगान, नामकोम, राँची–834010

क्रमांक–849 **निविदा सूचना** दिनांक–07.05.2026

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, राँची द्वारा अनुपयोगी/अप्रयुक्त (Unused) Aluminium Box (Big Size Box /Small Size Box/ Mini Size Box) का विक्रय करने हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, कालीनगर, चायबगान, नामकोम, राँची–834010 स्थित कार्यालय (स्थापना शाखा) से कोरे कागज में आवेदन देकर तथा 1000/– (एक हजार रूपये) का राष्ट्रीयकृत बैंको के बैंक ड्राफ्ट जो सचिव, झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, राँची के नाम से देय हो जमा करके दिनांक–11.05.2026 से 20.05.2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त की जा सकती है। अन्य विवरण इस प्रकार है:–

क्रमांक	सामग्री का विवरण	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
01	अनुपयोगी/अप्रयुक्त (Unused) Aluminium Box (Big Size Box /Small Size Box/ Mini Size Box)	1000/–	20.05.2026	21.05.2026

निविदा प्रपत्र एवं शर्तें आयोग की वेवसाईट– www.jssc.jharkhand.gov.in पर भी उपलब्ध है। निविदा कर्त्ता वेवसाईट से डाउनलोड किये गये निविदा प्रपत्र के साथ निविदा शुल्क के रूप में 1000/– रू० का बैंक ड्राफ्ट संलग्न कर निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि के पूर्व आयोग कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

ह०/–
सचिव
झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग,राँची

PR 379281 (Jharkhand Staff Selection Commission)26-27*D

अनुमंडल मुख्यालय, फिर भी ना बस स्टैंड, ना नाली, ना डॉक्टर! नारकीय जीवन जीने को मजबूर 2.5 लाख जनता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : विकास के ऊंचे-ऊंचे दावों और कागजी फाइलों के बीच, क्या आपने कभी कोई ऐसा शहर देखा है जिसका अपना एक अदद बस स्टैंड तक न हो? एक ऐसा शहर जहां नालियां या तो हैं ही नहीं, और अगर हैं भी तो वे गंदगी से इस कदर जाम पड़ी हैं कि कभी उनकी सफाई की सुध नहीं ली जाती? हम बात कर रहे हैं सरिया की, जो प्रशासनिक रूप से प्रखंड, अनुमंडल मुख्यालय और नगर पंचायत का दर्जा तो रखता है, लेकिन हकीकत में सुविधाओं के नाम पर एक 'बड़ा शून्य' है। यह इस शहर की सबसे बड़ी बदकिस्मती और प्रशासनिक विफलता की जीती-जागती तस्वीर है कि यहां पूरे शहर में घूम जाने के बावजूद आपको जनता के लिए एक भी शौचालय नजर नहीं आएगा।

सरिया प्रखंड की आबादी लगभग ढाई लाख से अधिक है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में सरकार और प्रशासन का रवैया पूरी तरह संवेदनहीन है। यह जानकर किसी को भी हैरत और गुस्सा आ सकता है कि इतनी बड़ी आबादी के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी संभालने के लिए सरिया में एक भी एमबीबीएस डॉक्टर पोस्टेड नहीं है। आपातकालीन स्थिति में मरीजों को भगवान भरोसे या फिर झोलाछाप डॉक्टरों के सहारे रहना पड़ता है, या फिर मीलों दूर अन्य शहरों की दौड़ लगानी पड़ती है। क्या ढाई लाख जनता की जान की कोई कीमत नहीं है? भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नगर पंचायत के द्वारा शहर को रोशन करने के नाम पर लाखों रुपये खर्च करके सोलर लाइटें लगाई गईं। लेकिन, जनता के पैसे की कैसी बबार्दी हुई, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ये लाइटें एक महीना भी ठीक से नहीं चल सकीं। अधिकांश सोलर लाइटें आज सफेद हाथी बनकर खड़ी हैं, जिनमें साफ तौर पर भ्रष्टाचार की गहरी बू आती है। आखिर जनता की गाढ़ी कमाई को इस तरह बर्बाद करने वालों पर कब कार्रवाई होगी? हर घर नल से जल के सरकारी नारे सरिया में पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। यह एक शहर की कड़वी हकीकत है कि यहां के लोग आज भी अपनी प्यास बुझाने के लिए पूरी तरह से चपाकल (हैंडपंप) और निजी बोरिंग के पानी पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। सरकारी जल आपूर्ति व्यवस्था की घोर कमी के कारण, गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत और गंभीर हो जाती है। प्रखंड, अनुमंडल और नगर पंचायत जैसे भारी-भरकम प्रशासनिक टैग होने के बावजूद, सरिया की जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है, जो सिस्टम की नाकामी का सबसे बड़ा सबूत है।

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,झारखण्ड सरकार
गुमला वन प्रमण्डल,गुमला

आम निलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गुमला वन प्रमंडल, गुमला के विशुनपुर वन प्रक्षेत्र एवं गुमला वन प्रक्षेत्र में अधिहरित वन पदार्थों की आम निलामी दिनाक 23.05.2026 को प्रमंडलीय कार्यालय में की जायेगी ।

(क) निलामी का स्थान गुमला वन प्रमण्डल, कार्यालय गुमला, — निलामी का समयः– 12 बजे दिन, निलामी की तिथि 23.05.2026

क्र0 सं0	अधिहरण वाद सं0	ग्राम	लकड़ी की प्रजाति	लौट	कूल पीस की संख्या	लकड़ी की मापी Length Class in	लकड़ी की मापी Width or thickness in	आयतन (घन मी0 में)
1	2	3	4	5	7	8	9	10
1	7/24	आदर वन परिसर	जामुन बोटा	01	02	0-244	60-90	0.0977
					02	do	90-120	0.2017
					04			**0.2994**
2	18/25	गुमला वन परिसर	आम बोटा	02	01	0-244	60-90	0.0358
					01	do	90-120	0.0867
					03	do	120-150	0.4722
					01	do	more than 150	0.2926
					06			**0.8873**
3	8/25	गुमला वन परिसर	गम्हार बोटा	03	18	0-244	60-90	0.9899
					2	do	90-120	0.1975
					1	do	120-150	0.1278
					21			**1.3152**
			गम्हार खूंटा		**06**	0-244	Mixed	**0.1637**
4	3/24	सिसई स्थायी पौधशाला परिसर	आम बोटा	04	02	0-244	60-90	0.1758
					02	do	90-120	2498
					01	do	90-150	0.1916
					03		120-150	2.247
					08		more than 150	**2.8642**
5	5/23	आदर वन परिसर	साल चौखट चिरान	05	**31**	0-150	upto 130	**0.341**
6	30/24	विशुनपर वन परिसर	साल बोटा	06	7	0-244	60-90	0.5036
					6	do	90-120	0.8865
					1	do	120.-150	0.1541
					14			**1.5442**
7	42/24	आदर वन परिसर	गम्हार बोटा	07	02	0-244	60-90	0.0709
					04	do	120-150	0.8262
					02	do	more than 150	1.3936
					08			**2.2907**
8	42/24	आदर वन परिसर	जामुन बोटा	08	01	0-244	120-150	0.1858
					01	do	more than 150	0.5506
					02			**0.7364**
9	20/24	सिसई नसरी परिसर	साल बोटा	09	05	0-244	60-90	0.3946
					03	do	90-120	0.4342
					01	do	120-150	0.3096
					02	do	more than 150	0.5365
					11			**1.6749**
10	40/24	सिसई नसरी परिसर	साल बोटा	10	**04**	0-244	60-90	**0.6958**
			साल खूंटा		**06**	0-244	Mixed	**0.3530**
11	47/24	बसिया वन परिसर	साल बोटा	11	13	0-24	60-90	1.0985
					03	do	90-120	0.4636
					03.	do	12-150	0.9333
					06	do	More than 150	2.6687
					25			**5.1641**

आम निलामी की तिथि एवं समय पर इच्छक क्रेता (पैन कार्ड धारक) 2000 दो हजार रूपये नगद गेट मनी के रूप में जमा करेंगे तथा पैन कार्ड की छाया प्रति भी समर्पित करेंगे। पैन कार्ड के बिना क्रेता निलामी में भाग नहीं ले पायेंगे । प्रकाश्ठों की बिक्री जहाँ है जैसा है के आधार पर उच्चतम डाक वक्ता को की जायेगी । गेट मनी की राशि सफल क्रेता के बिक्री राशि में समायोजित कर ली जायेगी तथा असफल क्रेता के गेट मनी की राशि वापस कर दी जायेगी। बिकृत लॉटो को सक्षम पदाधिकारी द्वारा बिक्री मूल्य के अनुसमर्थन (रेटिफिकेशन) के पश्चात सफल क्रेता को शेश राशि अविलम्ब जमा करना होगा तथा लकडी का उठाव 30 दिनों के अन्दर कर लेना होगा किसी भी निलामी को स्वीकृत /अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा। बिक्री मूल्य एवं उसपर लगने वाले सभी कर देय होगे शेश (जैसे –बिक्री कर आयकर जी0एस0टी0 आदि)।

आम निलामी हेतु निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में वन प्रमंडल कार्यालय गुमला अथवा वन क्षेत्र कार्यालय गुमला एवं विशुनपुर से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

PR 379305 (Forest, Environment and Climate Changes)26-27*D — वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल, गुमला

विधायक सविता महतो ने कुकड़ू में हाथी हमले में मृतक के परिजनों से की मुलाकात, बंधाया ढांढस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकड़ू : कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के कुकड़ू गोराई टोला निवासी मुनि राम गोराई की बीते रविवार रात जंगली हाथी के हमले में मौत हो गई थी। शुक्रवार को विधायक सविता महतो कुकड़ू पहुंचीं और मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान विधायक ने परिजनों को श्राद्धक्रम के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किए। इस दौरान विधायक ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे

ग्रामीणों में भय का माहौल है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से पीड़ित परिवार को शीघ्र सरकारी सहायता उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में हाथियों के उत्पात से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। इसी क्रम में विधायक ने कूकड़ू प्रखंड क्षेत्र में पूर्व में हुए हांथी हमले के मृतक के परिजन सुभद्रा महतो को साढ़े तीन लाख व घायल बड़ालापांग निवासी सनका महतो, सिरुम निवासी भानु वाला कुम्हार एवं पीलीद निवासी राजू स्वासी को 25 -25 हजार रुपए के मुआवजा चेक का वितरण किए। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ललिता राजश्री बाखला, अंचलाधिकारी अभय द्विवेदी, प्रमुख प्रतिमा वाला, रेंजर विमद कुमार, वनपाल मुकेश महतो, कैलाश महतो, रतन गोराई, वन रक्षी रघुवर सिंह मुंडा, लक्खी चरण सिंह मुंडा, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, प्रखंड अध्यक्ष कित्तीवास महतो, मंगल महतो, गुणाधर महतो, सपन महतो, गोपेश्वर कुम्हार, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(जिला पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
रूम–301-302 नया समाहरणालय भवन, चन्दाली, गुमला– 835207 Email ID- sportsgumla@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि हजारीबाग जिले में नये स्वीकृत आवासीय बालिका बैडमिंटन क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र के संचालन हेतु खेल प्रतिभा के तहत् नये प्रतिभावान 25 बालिका खिलाड़ियों के चयन एवं पूर्व से संचालित आवासीय बालिका एथलेटिक्स एवं फुटबॉल क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र के रिक्त प्रशिक्षुओं का चयन प्रतियोगिता 2026–27 का आयोजन Battery Test (NSTC Norms) एवं Specific Skill Test के आधार पर किया जायेगा। आयोजन की तिथि एवं स्थान निम्नवत् है :–

क्र0सं0	प्रशिक्षण केन्द्र का नाम	खेल विद्या का नाम	प्रतिभा चयन का स्थल	विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु खेल प्रषिक्षक एवं खेल समन्वयक का नाम एवं दूरभाष संख्या	निर्धारित तिथि व समय
1.	नवसृजित आवासीय बालिका बैडमिंटन क्रीड़ा प्रषिक्षण केन्द्र, कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग।	बैडमिंटन	कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग।	श्री सरोज कुमार यादव मो0 नं0– 7209525322 श्री नीरज कुमार रॉय मो0 नं0– 9470337652 सुश्री अनुकम्पा रूण्डा मो0 नं0– 8825151970	दिनांक– 11.05.2026 एवं 12.05.2026 को प्रातः 07:00 बजे से
2.	आवासीय बालिका एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रषिक्षण केन्द्र, कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग।	एथलेटिक्स	कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग।	श्री सरोज कुमार यादव मो0 नं0– 7209525322 श्री नीरज कुमार रॉय मो0 नं0– 9470337652 सुश्री अनुकम्पा रूण्डा मो0 नं0– 8825151970	
3.	आवासीय बालिका फुटबॉल क्रीड़ा प्रषिक्षण केन्द्र, कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग।	फुटबॉल	कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग।	श्री सरोज कुमार यादव मो0 नं0– 7209525322 सुश्री सुषीला कुमारी मो0 नं0– 9113187601	

आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र हेतु देय सुविधाएँ:–
1. चयनित प्रशिक्षुओं को विभाग द्वारा उच्च गुणवत्ता का भोजनादि एवं निःशुल्क आवासन देय होगा।
2. चयनित प्रशिक्षुओं को खेल विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये उत्कृष्ट प्रशिक्षक के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण, खेल किट, खेल उपकरण, खेल सामग्री समेत अन्य सभी सुविधाएँ प्रदान की जायेगी।

आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र हेतु खेल प्रतिभा चयन **(Talent Hunt)** प्रतियोगिता हेतु नियम एवं शर्तें :–
1. प्रतिभागियों की आयु सीमा 10 से 14 वर्ष (01.04.2016 से 01.04.2012) के बीच जन्म तिथि होनी चाहिए।
2. आधार कार्ड/नगर निगम अथवा पंचायत सचिव द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण–पत्र, दो पासपोर्ट साईज फोटो। (अद्यतन), स्कूल का बोनाफाईड में नाम एवं जन्म तिथि एक होना अनिवार्य है।
3. आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र के लिए झारखण्ड राज्य का निवासी होना अनिवार्य होगा।
4. मान्यता प्राप्त प्रखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता एवं जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को प्राथमिकता दी जायेगी।
5. प्रतिभागी खिलाड़ी आयोजन स्थल पर आवेदन प्रपत्र के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।
6. इच्छुक खिलाड़ी गुमला एवं हजारीबाग जिले के आधिकारिक वेबासाईट www.gumla.nic.in / www.hazaribag.nic.in से आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं।

PR 379300 District(26-27)D — जिला खेल पदाधिकारी, गुमला।

लूट का कारोबार बनते प्राइवेट स्कूल

हर साल अप्रैल और मई का महीना आते ही देशभर के लाखों अभिभावकों के घरों में अदृश्य आर्थिक संकट शुरू हो जाता है। यह संकट किसी बीमारी, बेरोजगारी या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि बच्चों के नए शैक्षणिक सत्र का होता है। स्कूल खुलते ही फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपियाँ, ट्रांसपोर्ट और अलग-अलग अनिवार्य खर्चों की लंबी सूची अभिभावकों के हाथ में थमा दी जाती है। सबसे बड़ा झटका किताबों के नाम पर लगता है। जिन किताबों की वास्तविक कीमत 50 या 100 रुपये होती है, वे स्कूल द्वारा तय दुकानों पर कई गुना ज्यादा दरों में बेची जाती है। छोटे बच्चों की किताबों का पूरा सेट 7 से 8 हजार रुपये तक पहुँच जाता है। मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए यह सीधी आर्थिक लूट से कम नहीं। विडंबना यह है कि शिक्षा को अधिकार और सेवा कहा जाता है लेकिन निजी स्कूलों ने इसे खुले बाजार का व्यापार बना दिया है। आज शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना कम और मुनाफा कमाना ज्यादा दिखाई देता है। किताबों के नाम पर जो खेल चल रहा है, वह केवल अभिभावकों की जेब काटने का मामला नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की नैतिक गिरावट का भी बड़ा उदाहरण है। देश में एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं, जो सस्ती भी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भी। सरकार स्वयं समय-समय पर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को लागू करने की बात करती है। फिर सवाल यह उठता है कि आखिर निजी स्कूल इन किताबों से परहेज क्यों करते हैं? इसका उत्तर सीधा है- कमीशन और मुनाफा। अनेक निजी स्कूल निजी प्रकाशकों के साथ समझौता कर लेते हैं। स्कूल अपने छात्रों पर उन्हीं प्रकाशकों की किताबें थोपते हैं और बदले में मोटा कमीशन प्राप्त करते हैं। यही कारण है कि हर साल नए संस्करण और नए पैटर्न के नाम पर किताबें बदली जाती हैं ताकि पुरानी किताबें किसी और बच्चे के काम न आ सकें। यह केवल आर्थिक शोषण नहीं बल्कि योजनाबद्ध व्यवसायिक मॉडल है। स्कूल, प्रकाशक और कुछ बुक डिपो मिलकर ऐसा नेटवर्क बना चुके हैं जिसमें अभिभावक केवल ग्राहक बनकर रह गया है। उसे मजबूर किया जाता है कि वह किताबें केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से खरीदे। यदि कोई अभिभावक बाहर से वही किताबें लेने की कोशिश करे तो या तो किताबें उपलब्ध नहीं होतीं या फिर स्कूल के शिक्षक बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि सही किताबें वही हैं जो स्कूल ने बताई हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं। एक मजदूर, किसान, छोटा दुकानदार या नौकरीपेशा व्यक्ति जब दो या तीन बच्चों के स्कूल खर्च का हिसाब लगाता है तो उसकी आधी कमाई केवल शिक्षा पर चली जाती है। फीस अलग, किताबें अलग, यूनिफॉर्म अलग और गतिविधियों के नाम पर अलग वसूली। यह कैसी शिक्षा व्यवस्था है जिसमें बच्चा स्कूल जाने से पहले ही परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाता है? सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे खेल में सरकार और प्रशासन अक्सर मूकदर्शक बने रहते हैं। हर साल शिकायतें होती हैं, मीडिया में खबरें आती हैं, कुछ अधिकारी बयान देते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं बदलता। शिक्षा विभाग के नियम स्पष्ट हैं कि स्कूल किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। लेकिन वास्तविकता यह है कि नियम कागजों तक सीमित हैं और निजी स्कूलों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। असल समस्या यह है कि शिक्षा अब सेवा नहीं, ब्रांड बन चुकी है। बड़े-बड़े निजी स्कूल खुद को "इंटरनेशनल", "वर्ल्ड क्लास" और "स्मार्ट एजुकेशन" जैसे नामों से प्रचारित करते हैं। भव्य इमारतें, वातानुकूलित क्लास रूम व बसें और अंग्रेजी का आकर्षण दिखाकर अभिभावकों को प्रभावित किया जाता है। इस चमक-दमक के पीछे शिक्षा का असली उद्देश्य कहीं खो गया है। बच्चा कितना सीख रहा है, यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया; महत्वपूर्ण यह हो गया है कि स्कूल कितनी कमाई कर रहा है।

तमिलनाडु: हिंदू बहुसंख्यक राज्य में भी द्रविड़ राजनीति क्यों पड़ती है भारी?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की राजनीति को अक्सर सरल समीकरण में समझने की कोशिश की जाती है- जहाँ हिंदू आबादी अधिक होगी, वहाँ भारतीय जनता पार्टी स्वतः मजबूत होगी। लेकिन तमिलनाडु इस धारणा को चुनौती देता है। तमिलनाडु में हिंदू आबादी लगभग 85 प्रतिशत से अधिक है। राज्य मंदिरों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, फिर भी भाजपा यहाँ अब तक वैसी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं कर पाई जो उसे उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में मिली। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या तमिलनाडु की राजनीति धर्म से अलग किसी और आधार पर चलती है? या भाजपा राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को अब तक पूरी तरह समझ नहीं पाई?

तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है। यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है। बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत ऊँच-नीच और उत्तर भारतीय प्रभुत्व का विरोध था। पेरियार ने तर्कवाद, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को राजनीति का केंद्र बनाया। बाद में इसी विचारधारा से डीएमके और एआईएडीएमके जैसी शक्तिशाली पार्टियाँ उभरीं।

यही वह बिंदु है जहाँ तमिलनाडु की राजनीति बाकी भारत से अलग हो जाती है। उत्तर भारत में जहाँ धार्मिक पहचान अक्सर चुनावी राजनीति का बड़ा आधार बनती है, वहीं तमिलनाडु में "तमिल पहचान" अधिक महत्वपूर्ण रही। यहाँ भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय गर्व को राजनीति के केंद्र में रखा गया। लोगों के भीतर यह भावना गहरी रही कि दिल्ली की राजनीति तमिल समाज की विशिष्टता को पूरी तरह नहीं समझती। भाजपा को कई बार इसी कारण उत्तर भारतीय पार्टी के रूप में देखा गया।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का इतिहास भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना। 1960 के दशक में जब हिंदी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की कोशिश हुई, तब तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए। लोगों को लगा कि उनकी भाषा और संस्कृति पर खतरा है। यही आंदोलन द्रविड़ दलों को मजबूत बनाने का कारण बना। आज भी तमिल पहचान और भाषा का मुद्दा यहाँ बेहद संवेदनशील है। भाजपा भले हिंदी थोपने से इनकार करे लेकिन उसके राष्ट्रीय विमर्श को कई लोग हिंदी और उत्तर भारतीय संस्कृति के प्रभाव से जोड़कर देखते हैं।

यह कहना गलत होगा कि तमिलनाडु में हिंदू धर्म का प्रभाव नहीं है। राज्य में प्रसिद्ध मंदिरों की लंबी परंपरा है- मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि तमिल संस्कृति और गौरव का हिस्सा भी हैं। लेकिन तमिलनाडु में धार्मिक आस्था का अर्थ हमेशा राजनीतिक हिंदुत्व नहीं रहा। यहाँ लोग मंदिरों में गहरी श्रद्धा रखते हैं लेकिन वोट देते समय क्षेत्रीय हित, सामाजिक न्याय और स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं।

भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह लंबे समय तक तमिलनाडु में मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं कर पाई। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर भाजपा की क्षेत्रीय ताकत का चेहरा बने। लेकिन तमिलनाडु में दशकों तक पार्टी के पास ऐसा कोई जनाधार वाला नेता नहीं था जो आम तमिल मतदाता से भावनात्मक जुड़ाव बना सके। हाल के वर्षों में के. अन्नामलाई ने भाजपा को नई ऊर्जा दी है लेकिन अभी भी पार्टी का संगठन राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में उतना मजबूत नहीं जितना द्रविड़ दलों का है।

तमिलनाडु की राजनीति में सामाजिक न्याय और आरक्षण का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों और गैर-ब्राह्मण समुदायों को राजनीतिक शक्ति दी। यही कारण है कि राज्य में सामाजिक न्याय की राजनीति बहुत गहराई से स्थापित हो चुकी है। भाजपा की छवि लंबे समय तक अलग रही है। हालांकि भाजपा ने अब पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश की है लेकिन तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की सामाजिक पकड़ अब भी ज्यादा मजबूत है।

इसके अलावा तमिलनाडु में कल्याणकारी राजनीति का मॉडल भी दूसरे दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है। मुफ्त राशन, महिला सहायता योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य सेवाएँ और सब्सिडी जैसी योजनाओं ने द्रविड़ दलों को जनता से गहराई से जोड़े रखा। यहाँ मतदाता केवल वैचारिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुविधाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के आधार पर भी वोट करते हैं। भाजपा का राष्ट्रीय विकास मॉडल लोगों को आकर्षित करता है लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कल्याणकारी राजनीति की पकड़ बहुत मजबूत है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में राजनीति का भावनात्मक केंद्र "क्षेत्रीय स्वाभिमान" रहा है। यहाँ लोग खुद को पहले तमिल मानते हैं- हालाँकि इसका अर्थ अलगाववाद नहीं बल्कि सांस्कृतिक गर्व है। भाजपा का राष्ट्रवादी विमर्श कई बार इस क्षेत्रीय अस्मिता से टकराता दिखाई देता है। द्रविड़ दल इस भावना को लगातार मजबूत करते रहे हैं कि वे "तमिल हितों" के असली रक्षक हैं।

यह भी सच है कि भाजपा पूरी तरह कमजोर नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ा है। शहरी क्षेत्रों, शिक्षित युवाओं और कुछ मध्यमवर्गीय समूहों में पार्टी ने अपनी उपस्थिति मजबूत की है। सोशल मीडिया और राष्ट्रवादी मुद्दों के माध्यम से भाजपा ने राज्य में नई राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की है। लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ना और सत्ता तक पहुँचना दोनों अलग बातें हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ दलों का संगठनात्मक नेटवर्क, बूथ स्तर की पकड़ और दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति भाजपा के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है।

इसके साथ ही गठबंधन की राजनीति भी एक महत्वपूर्ण कारण है। तमिलनाडु में चुनाव अक्सर बड़े गठबंधनों के आधार पर लड़े जाते हैं। द्रविड़ दलों ने समय-समय पर राष्ट्रीय पार्टियों को अपने साथ जोड़कर चुनावी समीकरण मजबूत किए। भाजपा कभी एआईएडीएमके के साथ रही लेकिन यह गठबंधन उसे व्यापक जनसमर्थन में तब्दील नहीं करा पाया। कई मतदाता भाजपा को सहयोगी पार्टी के रूप में स्वीकार करते हैं लेकिन मुख्य शक्ति के रूप में नहीं।

तमिलनाडु की राजनीति यह भी दिखाती है कि भारत केवल धार्मिक पहचान से नहीं चलता। यहाँ भाषा, संस्कृति, जातीय संरचना, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय भावनाएँ मिलकर राजनीति को आकार देती हैं। यही कारण है कि हिंदू बहुसंख्यक होने के बावजूद राज्य में भाजपा को वैसी सफलता नहीं मिली जैसी उत्तर भारत के कई राज्यों में मिली।

दरअसल, तमिलनाडु भारतीय लोकतंत्र का अलग अध्याय है। यहाँ मंदिर भी हैं, आस्था भी है, धार्मिक परंपराएँ भी हैं लेकिन राजनीति का केंद्र केवल धर्म नहीं है। यहाँ मतदाता अपनी क्षेत्रीय पहचान, सामाजिक अधिकारों और स्थानीय मुद्दों को भी उतनी ही गंभीरता से देखते हैं। भाजपा यदि तमिलनाडु में मजबूत होना चाहती है तो उसे केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर तमिल समाज की सांस्कृतिक संवेदनाओं, भाषा, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को गहराई से समझना होगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महाराणा प्रताप : स्वाभिमान, स्वतंत्रता और राष्ट्रगौरव के अमर प्रतीक

वरुण कुमार

भारत का इतिहास वीरता, त्याग और स्वाभिमान की अमर गाथाओं से भरा पड़ा है। जब-जब मातृभूमि की रक्षा, स्वतंत्रता की भावना और आत्मसम्मान की बात होती है, तब-तब महाराणा प्रताप का नाम अत्यंत श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है। वे केवल मेवाड़ के शासक नहीं थे, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाधीनता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। इतिहास में अनेक राजा हुए, जिन्होंने अपने राज्य के विस्तार के लिए युद्ध किए, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा को बनाया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम भारतीय जनमानस में अमर है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के प्रसिद्ध कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता महारानी जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में साहस, नेतृत्व और युद्धकला के गुण दिखाई देने लगे थे। राजपूत परंपरा के अनुसार उन्हें घुड़सवारी, शस्त्र संचालन और युद्ध नीति की शिक्षा दी गई। कहा जाता है कि बालक प्रताप अत्यंत बलशाली और निर्भीक थे। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि सैनिक और सामान्य प्रजा दोनों उनसे विशेष स्नेह रखते थे।

उस समय भारत की राजनीतिक परिस्थितियाँ अत्यंत जटिल थीं। दिल्ली में मुगल सम्राट अकबर का शासन तेजी से फैल रहा था। अनेक राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन मेवाड़ की भूमि स्वतंत्रता और स्वाभिमान की प्रतीक मानी जाती थी। मेवाड़ के शासकों ने सदैव विदेशी आक्रांताओं का विरोध किया था। यही परंपरा महाराणा प्रताप ने भी आगे बढ़ाई।1572 में महाराणा उदयसिंह की मृत्यु के बाद प्रताप सिंह मेवाड़ के सिंहासन पर बैठे। उस समय परिस्थितियाँ अत्यंत कठिन थीं। राज्य आर्थिक और सैन्य दृष्टि से कमजोर था, जबकि अकबर की शक्ति लगातार बढ़ रही थी। अकबर चाहता था कि महाराणा प्रताप भी अन्य राजपूत राजाओं की तरह उसकी अधीनता स्वीकार कर लें। इसके लिए उसने कई बार दूत भेजे। मान सिंह प्रथम सहित अनेक राजपूत सरदारों को समझौते के लिए भेजा गया, लेकिन महाराणा प्रताप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे मेवाड़ की स्वतंत्रता के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।यहीं से संघर्ष का वह अध्याय आरंभ हुआ, जिसने महाराणा प्रताप को अमर बना दिया। अकबर की विशाल सेना और साधनों के सामने मेवाड़ की सेना बहुत छोटी थी, लेकिन प्रताप के पास अदम्य साहस और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा थी। 18 जून 1576 को इतिहास प्रसिद्ध हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया। यह युद्ध राजस्थान की अरावली पर्वतमाला के बीच स्थित हल्दीघाटी में हुआ। एक ओर अकबर की ओर से मान सिंह के नेतृत्व में विशाल मुगल सेना थी, दूसरी ओर महाराणा प्रताप अपनी सीमित सेना के साथ युद्धभूमि में उतरे। हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो सेनाओं का संघर्ष नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता और पराधीनता के बीच का युद्ध था। महाराणा प्रताप ने युद्धभूमि में असाधारण वीरता का परिचय दिया। उनका भाला जिस दिशा में चलता, दुश्मन सेना में हाहाकार मच जाता। उनके साथ भील समुदाय के वीर योद्धाओं ने भी बड़ी भूमिका निभाई। यह भारतीय समाज की एकता का अद्भुत उदाहरण था कि जंगलों और पहाड़ों में रहने वाले भील भी मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए महाराणा प्रताप के साथ खड़े थे।

इस युद्ध में महाराणा प्रताप के प्रिय घोड़े चेतक की वीरता की कहानी आज भी लोगों को भावुक कर देती है। चेतक केवल एक घोड़ा नहीं था, बल्कि अपने स्वामी के प्रति पूर्ण समर्पण और निष्ठा का प्रतीक था। युद्ध के दौरान चेतक गंभीर रूप से घायल हो गया, फिर भी उसने महाराणा प्रताप को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया। कहा जाता है कि उसने एक बड़े नाले को छलांग लगाकर पार किया और अपने स्वामी की रक्षा करते हुए प्राण त्याग दिए। चेतक की यह कथा भारतीय इतिहास में पशु और मानव के बीच अद्भुत संबंध का उदाहरण बन चुकी है।यद्यपि हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन यह युद्ध महाराणा प्रताप की वीरता और स्वाभिमान का प्रतीक बन गया। युद्ध के बाद प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने जंगलों, पहाड़ों और गुफाओं में रहकर संघर्ष जारी रखा। उनका जीवन अत्यंत कठिन हो गया था। कई बार भोजन के लिए घास की रोटियाँ तक खानी पड़ीं। परिवार को भी अभावों का सामना करना पड़ा। किंतु उन्होंने अकबर के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया।महाराणा प्रताप के संघर्ष के दिनों की एक घटना अत्यंत प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि एक बार उनकी पुत्री के हाथ से घास की रोटी भी जंगल के जानवर ने छीन ली। यह दृश्य देखकर महाराणा प्रताप का हृदय द्रवित हो उठा, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। यह घटना बताती है कि उन्होंने व्यक्तिगत सुख-सुविधा के बजाय राष्ट्र और स्वाभिमान को अधिक महत्व दिया।

महाराणा प्रताप के जीवन में भामाशाह का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भामाशाह ने अपनी समस्त संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित कर दी, जिससे वे पुनः सेना संगठित कर सके। यह घटना केवल आर्थिक सहायता नहीं थी, बल्कि राष्ट्रभक्ति और त्याग का अनुपम उदाहरण थी। भामाशाह जैसे सहयोगियों ने यह सिद्ध किया कि जब समाज राष्ट्रहित के लिए एकजुट होता है, तब बड़ी से बड़ी शक्ति को भी चुनौती दी जा सकती है।धीरे-धीरे महाराणा प्रताप ने अपनी शक्ति को पुनः संगठित किया और मेवाड़ के अनेक क्षेत्रों को वापस जीत लिया। उन्होंने अरावली के दुर्गम क्षेत्रों से गुरिल्ला युद्ध की नीति अपनाई। उनकी रणनीति इतनी प्रभावी थी कि मुगल सेना लंबे समय तक उन्हें पूरी तरह पराजित नहीं कर सकी। उन्होंने चावंड को अपनी नई राजधानी बनाया और वहीं से प्रशासन एवं युद्ध संचालन किया।महाराणा प्रताप केवल वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि एक कुशल प्रशासक भी थे। वे अपनी प्रजा से अत्यंत प्रेम करते थे। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने जनता का मनोबल बनाए रखा। वे जानते थे कि राज्य केवल महलों और किलों से नहीं चलता, बल्कि जनता के विश्वास और सहयोग से चलता है। यही कारण था कि उनकी प्रजा हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी रही।

19 जनवरी 1597 को चावंड में महाराणा प्रताप का निधन हो गया। कहा जाता है कि मृत्युशय्या पर भी उन्हें मेवाड़ की स्वतंत्रता की चिंता थी। उनका जीवन समाप्त हुआ, लेकिन उनका आदर्श अमर हो गया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की भावना हो, तो संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता।

आज महाराणा प्रताप भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्त्रोतों में से एक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि आत्मसम्मान से बड़ा कोई धन नहीं होता। उन्होंने सत्ता, वैभव और सुख-सुविधाओं के सामने कभी अपने सिद्धांतों को नहीं छोड़ा। आज जब समाज में नैतिक मूल्यों का संकट दिखाई देता है, तब महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति का मार्ग दिखाता है।राजस्थान ही नहीं, पूरे भारत में महाराणा प्रताप का स्मरण बड़े सम्मान के साथ किया जाता है। स्कूलों, महाविद्यालयों और सार्वजनिक समारोहों में उनकी वीरता की गाथाएँ सुनाई जाती हैं। मोटी मगरी स्मारक सहित अनेक स्थानों पर उनकी विशाल प्रतिमाएँ स्थापित हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। साहित्य, लोकगीत और नाटकों में भी महाराणा प्रताप का चरित्र सदैव जीवित रहा है।

भारत का इतिहास ऐसे अनेक वीरों से भरा पड़ा है, लेकिन महाराणा प्रताप का स्थान विशेष है, क्योंकि उन्होंने संघर्ष को जीवन का उद्देश्य बना लिया था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राष्ट्र की स्वतंत्रता और सम्मान किसी भी व्यक्तिगत सुख से अधिक महत्वपूर्ण है। वे पराजित होकर भी विजेता बने, क्योंकि उन्होंने अपने आत्मसम्मान को कभी झुकने नहीं दिया।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित, स्वाभिमान और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें। केवल उनकी जयंती मनाना या उनके स्मारकों पर पुष्प अर्पित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को व्यवहार में लाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जब तक भारतभूमि पर स्वतंत्रता, साहस और स्वाभिमान की बात होती रहेगी, तब तक महाराणा प्रताप का नाम अमर रहेगा।

सूडोकु नवताल- 7789

★★★★☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7788 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

भारतीय साहित्य, संगीत व कला-संस्कृति के उपासक थे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर

तुषार कांति शीट

रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय साहित्य, संगीत व कला-संस्कृति के उपासक थे। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्हें "गुरुदेव", "कविगुरु" और "विश्वकवि" के नाम से भी जाना जाता है।

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोरासांको ठाकुरबाड़ी में देवेंद्रनाथ टैगोर और शारदा देवी के घर हुआ।

वे 13 भाई-बहनों में सबसे छोटे थे और घर में "रबी" कहकर बुलाए जाते थे।

परिवार का माहौल साहित्यिक और सांस्कृतिक था, जिससे बचपन से ही उनमें साहित्य, संगीत और कला के प्रति रुचि विकसित हुई। उनके पिता चाहते थे कि वे बैरिस्टर बनें, इसलिए 1878 में उन्हें इंग्लैंड के ब्रिजस्टोन पब्लिक स्कूल और बाद में लंदन यूनिवर्सिटी भेजा गया। लेकिन 1880 में बिना डिग्री पूरी किए वे भारत लौट आए।

रवींद्रनाथ टैगोर ने आठ साल की उम्र में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। 16 साल की उम्र में "भानुसिंह" छद्म नाम से उनका पहला काव्य संग्रह प्रकाशित हुआ।

टैगोर कवि, नाटककार, उपन्यासकार, चित्रकार और संगीतकार सभी थे। उन्होंने 2200 से अधिक गीत लिखे, जिन्हें "रवींद्र संगीत" कहा जाता है।

उनकी रचना "गीतांजलि" के लिए 1913 में उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला - यह सम्मान पाने वाले वे एशिया के पहले व्यक्ति थे। भारत का राष्ट्रगान "जन गण मन" और बांग्लादेश का राष्ट्रगान "आमार सोनार बांग्ला" दोनों टैगोर की रचनाएं हैं। श्रीलंका के राष्ट्रगान का एक हिस्सा भी उनसे प्रेरित माना जाता है।

1901 में उन्होंने शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य आश्रम की स्थापना की, जो बाद में विश्वभारती विश्वविद्यालय बना।

यहां उन्होंने प्रकृति के सान्निध्य में रचनात्मक और मुक्त शिक्षा की पद्धति अपनाई।

1915 में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें "नाइटहुड" की उपाधि दी, लेकिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में 1919 में उन्होंने यह उपाधि लौटा दी।

रवींद्रनाथ टैगोर का निधन 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में हुआ।

उनका साहित्य, संगीत और शिक्षा दर्शन आज भी भारतीय और वैश्विक संस्कृति को प्रभावित करता है। हर साल उनकी जयंती बोइशाख की 25 तारीख को "पचीशे बोइशाख" के रूप में बंगाल में बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

टैगोर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कला, शिक्षा और मानवता एक साथ चलकर समाज को बदल सकती हैं।

कवि, दार्शनिक, शिक्षाविद और राष्ट्रगान के रचयिता

रवींद्रनाथ टैगोर बंगाल पुनर्जागरण के सबसे बड़े साहित्यकार थे। उन्होंने साहित्य, संगीत, चित्रकला, शिक्षा और दर्शन सब पर गहरी छाप छोड़ी। पिराली ब्राह्मण परिवार, पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर ब्रह्म समाज के नेता थे। परिवार साहित्य, संगीत और समाज सुधार से जुड़ा था। घर पर ही शिक्षा हुई। 17 साल की उम्र में इंग्लैंड भेजे गए, लेकिन पढ़ाई बीच में छोड़कर वापस आ गए।

साहित्यिक यात्रा

टैगोर ने 50 से ज्यादा काव्य संग्रह, 12 उपन्यास, 100 से ज्यादा कहानियां, नाटक, निबंध और पत्र लिखे। उनकी भाषा सरल थी, लेकिन भाव गहरे।

मुख्य रचनाएं:

गीतांजलिः 1910 में प्रकाशित काव्य संग्रह. 1913 में इसी के अंग्रेजी अनुवाद के लिए उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। वो पहले गैर-यूरोपीय नोबेल विजेता बने।

राष्ट्रगानः भारत का "जन गण मन" और बांग्लादेश का "आमार सोनार बांग्ला" दोनों उन्होंने लिखे।

उपन्यासः गोरा, चोखेर बाली, गृहबाहिर- नाटकः डाकघर, राजा, अचलायतन

कहानियांः काबुलीवाला, पोस्टमास्टर, क्षुधित पाषाण

शिक्षा और शांतिनिकेतन

टैगोर का मानना था कि शिक्षा प्रकृति और रचनात्मकता से जुड़ी होनी चाहिए। वर्ष 1901ः शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य आश्रम शुरू किया।

1921ः इसे विश्वभारती विश्वविद्यालय बनाया। यहां कला, संगीत, कृषि और मानविकी सब पढ़ाए जाते थे।

क्लासरूम के बाहर पेड़ों के नीचे पढ़ाई, छात्र-शिक्षक का बराबर संबंध, कला और शिल्प पर जोर।

संगीत और चित्रकला- रवींद्र संगीतः 2000 से ज्यादा गीत खुद लिखे और संगीतबद्ध किए। ये बंगाली संस्कृति की पहचान बन गए।

चित्रकलाः 60 साल की उम्र के बाद पेंटिंग शुरू की. उनकी पेंटिंग्स यूरोप और अमेरिका में प्रदर्शित हुईं। शैली आदिम और अभिव्यक्तिवादी थी.

राजनीति और दर्शन

-शुरूआत में ब्रिटिश राज के समर्थक थे, लेकिन 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद नाइटहुड वापस कर दिया।

गांधी के दोस्त थे, लेकिन अहिंसा और राष्ट्रवाद पर उनके मतभेद थे। टैगोर अंतरराष्ट्रीयतावाद और मानवतावाद पर जोर देते थे।

दर्शनः उपनिषद, वैष्णव भक्ति और सूफी परंपरा का मिश्रण। उनका जोर ₹जीवित ईश्वर₹ पर था, जो मनुष्य, प्रकृति और सौंदर्य में बसता है।

अंतिम वर्ष और मृत्यु

जीवन के आखिरी सालों में वो बीमार रहे, लेकिन लिखना नहीं छोड़ा।

सात अगस्त 1941 को कोलकाता में निधन हुआ।

विरासत

टैगोर की विरासत 3 बातों में हैः

भाषाः बंगाली गद्य और पद्य को आधुनिक रूप दिया।

शिक्षाः शांतिनिकेतन आज भी उनके प्रयोग का केंद्र है। मानवतावादः उनकी रचनाएं जाति, धर्म, सीमा से परे इंसान को जोड़ती हैं। टैगोर खुद कहते थे, ₹मैं सो रहा था और सपना देखा कि जीवन आनंद है। मैं जागा और देखा कि जीवन सेवा है। मैंने सेवा की और पाया कि सेवा में आनंद है।

(लेखक जाने-माने समाजसेवी और श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव हैं)

दैनिक पंचांग

9 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

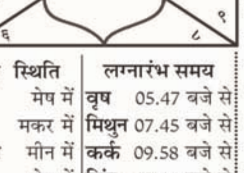

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.47 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	07.45 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.58 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.14 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.26 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.37 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.52 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.08 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.13 बजे से
		कुंभ	00.59 बजे से
		मीन	02.32 बजे से
		मेष	04.02 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 129 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 14.03 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 23.25 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 02.36 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 14.03 बजे तदनन्तर बालव 02.41 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872704 **जूलियन दिन** 2461169.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध खनन और चिमनी भट्ठाओं पर कड़ी कार्रवाई के लिए जिला खनन टास्क फोर्स की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह उपस्थित थे।बैठक में उपायुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निर्णय का अनुपालन के संदर्भ में विचार विमर्श किया। उन्होंने साहेबगंज जिला अन्तर्गत सभी अनाधिकृत चिमनी भट्ठों को अविलंब नोटिस निर्गत करने एवं सभी प्रकार की क्लीयरेंस नियत समय के भीतर प्राप्त नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार डिमोलिश करने का निर्देश दिया तथा चिमनी भट्ठा में प्रयोग होने वाले मिट्टी के अवैध परिवहन पर रोकथाम लगाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने साहेबगंज जिला अन्तर्गत ईंट, बालू ,पत्थर एवं मिट्टी परिवहन कर्ता का जिला/अनुमण्डल स्तरीय खनन टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा नियमित रूप से जाँच एवं कार्यवाही हेतु निर्देश दिया। जिला अन्तर्गत संचालित खनन नाकों के नियमित पर्यवेक्षण एवं निगरानी हेतु जिला एवं अनुमण्डलीय स्तरीय खनन टास्क फोर्स सदस्यों को निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी प्रकार के अवैध उत्खनन/परिवहन की शिकायत/जानकारी प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी, साहेबगंज को निर्देश दिया कि पत्थर, बालू एवं मिट्टी परिवहन की वैधता, एवं चालान का सुचारू रूप से जाँच करें एवं जाँच के दौरान, खनिज पूर्ण रूप से ढका गया है कि नहीं, गाड़ियों को मोडिफाई एवं अल्टर तो नहीं किया गया है, क्षमता के अनुरूप ही परिवहन सुनिश्चित करें।साथ ही माननीय एनजीटी के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु कुमार मिश्रा, सदर डीएसपी विजय कुशवाहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व एवं भू-अर्जन विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व एवं भू-अर्जन विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में म्यूटेशन, भूमि सीमांकन, परिशोधन, ई-रेवेन्यू कोर्ट, जीएम लैंड, भू-अर्जन तथा आपदा से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने लंबित म्यूटेशन आवेदनों पर गंभीरता व्यक्त करते हुए सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। विशेष रूप से 90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही म्यूटेशन रिजेक्ट होने के कारणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सक्सेशन म्यूटेशन मामलों में भी तेजी लाने को कहा गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि कोई भी लाइन विभाग किसी भी सरकारी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित अंचलाधिकारी से भूमि संबंधी एनओसी अवश्य प्राप्त करे। बिना एनओसी के किसी प्रकार का कार्य प्रारंभ नहीं किया जाए। बैठक में मोटर ट्रेनिंग स्कूल हेतु उपयुक्त भूमि चयन करने का निर्देश अंचलाधिकारियों को दिया गया। वहीं आपदा से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन करने एवं सहायता प्रदान करने से पूर्व सभी दस्तावेजों का समुचित सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा गया।

डीसी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा संबंधित बैठक का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह उपस्थित थे।बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों की भी गंभीरता से समीक्षा की गई। बैठक में संज्ञान में लाया गया कि साहेबगंज स्थित संत जेवियर स्कूल के समीप नो एंट्री जोन होने के बावजूद ट्रैक्टर एवं अन्य मालवाहक वाहनों का आवागमन जारी है, जिससे विद्यालय खुलने एवं छुट्टी के समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इस पर उपायुक्त ने पूर्वाह्न 5:00 बजे से बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालयों के आस-पास जाम की संभावना वाली जगहों पर पुलिस बल/ होमगार्ड /चौकीदार की अभिलंब प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा द्वारा बोरना पहाड़ मार्ग एवं बरहेट थाना के समीप ब्लाइंड स्पॉट वाले क्षेत्रों में दुर्घटना की संभावना की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग को इन स्थानों पर शीघ्र कन्वेंस मिरर एवं रंबल स्ट्रिप स्पीड ब्रेकर लगाने का निर्देश दिया। साथ ही महाराजपुर से तालझारी सड़क मार्ग पर कैट आई रिफलेक्टर, रोड मार्किंग एवं सिंग बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बरहरवा में शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र की मांग को लेकर महाधरना पांचवें दिन भी जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में जारी अनिश्चितकालीन महाधरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। लगातार पांच दिनों से धरनास्थल पर डटे समुदाय के लोगों में प्रशासन की चुप्पी और उदासीन रवैये को लेकर भारी आक्रोश देखा गया। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में समुदाय के छात्र,युवा एवं बुजुर्ग शामिल हुई। आंदोलनकारियों ने "हक दो या कुर्सी छोड़ो", "प्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगी", "शेरशाहबादी समाज का अपमान बंद करो", "हमारा हक हमें दो" जैसे नारों के साथ प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पांच दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन चलने के बावजूद जिला और अंचल प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है। प्रशासन की यही चुप्पी अब समाज के गुस्से को और भड़का रही है। इस बार समाज निर्णायक लड़ाई के मूड में है।अगर शांतिपूर्ण ढंग से हमारी मांगों को तवज्जो नहीं दी गई तो अपने हक अधिकार को लेने के लिए जो भी हथकंडे अपनाना पड़े,हम पीछे नहीं हटेंगे। मुखिया मो. इश्तियाक ने प्रशासन के तर्कों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंचल प्रशासन यह कहकर पल्ला झाड़ रहा है कि खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है,इसलिए प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। यह तर्क पूरी तरह तथ्यहीन और गैर-जिम्मेदाराना है। बिहार और पश्चिम बंगाल में भी किसी के खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है,क्योंकि यह पहचान अंतिम सर्वे सेटलमेंट के बाद मंडल आयोग और सच्चर कमेटी की अनुशंसा के दौरान परिभाषित हुई। ऐसे में खतियान में इसका उल्लेख होना संभव ही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार और झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा जारी विभिन्न गजट और दिशा-निर्देशों के अनुसार शेरशाहबादी समुदाय को प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ओंठ-तालू दोष वाले बच्चों के लिए मेगा कैंप आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में शुक्रवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाकुड़ में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ओंठ कटे एवं तालू कटे बच्चों के इलाज हेतु एक दिवसीय मेगा कैंप का सफल आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा एवं देवनिका अस्पताल, रांची के प्रतिनिधि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। जांच के उपरांत सर्जरी योग्य चिन्हित बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन देवनिका अस्पताल, रांची में कराया जाएगा। साथ ही अस्पताल द्वारा आने-जाने, इलाज एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। मेगा जांच शिविर में डॉ. शेखावत हुसैन एवं डॉ सुपर्णा सहा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिविर में कुल 25 बच्चों की जांच की गई, जिनमें चिन्हित बच्चों का आगे सर्जिकल उपचार कराया जाएगा। जिला आरसीएच पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के शिविर का उद्देश्य जन्मजात विकृतियों से पीड़ित बच्चों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराकर उन्हें सामान्य जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभिभावकों से अपील की गई कि वे ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ें, ताकि बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में शुक्रवार को बच्चों के बेहतर पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पाकुड़ बसंती ग्लाडिस बाड़ा द्वारा सदर प्रखंड अंतर्गत बलियाडांगा आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की विभिन्न व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे गर्म एवं ताजा पोषाहार की गुणवत्ता की स्वयं जांच की।उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सेविका एवं सहायिका को निर्धारित मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा स्वच्छता के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बच्चों की व्यक्तिगत साफ-सफाई पर विशेष बल देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों में स्वच्छता एवं अच्छे संस्कार विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने केंद्र परिसर में विकसित ह्यपोषण वाटिकाह्व का भी निरीक्षण किया तथा इसे और अधिक व्यवस्थित एवं उपयोगी बनाने का निर्देश दिया, ताकि ताजी एवं हरी सब्जियों का उपयोग बच्चों के भोजन में नियमित रूप से किया जा सके। निरीक्षण के दौरान केंद्र में बच्चों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया, उन्हें पाठ पढ़ाया तथा बच्चों से कविताएं एवं पाठ सुनकर उनकी प्रतिभा और उत्साह की सराहना की। बच्चों के चेहरे पर दिख रही खुशी और आत्मविश्वास ने पूरे वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर श्रीमती बाड़ा ने आंगनबाड़ी केंद्र में संधारित विभिन्न पंजियों एवं सरकारी अभिलेखों की गहन जांच की। उन्होंने सभी रिकॉर्ड को नियमित रूप से अद्यतन रखने एवं सुव्यवस्थित ढंग से संधारित करने का निर्देश दिया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि बच्चों के पोषण, शिक्षा एवं समग्र विकास के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं और इन्हें और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को परिजनों ने इलाज के लिए बीते रात सदर अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार ने इलाज प्रारंभ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार जिरवाबाड़ी थाना अंतर्गत चानन गांव निवासी अजय लाल पासवान के पुत्र रितेश पासवान (25) है। वे किसी काम को लेकर बाइक में सवार होकर जिरवाबाड़ी थाना के तरफ आया हुआ था। अचानक दूसरे तरफ से गाड़ी का लाइट आंखों पर लगने से रितेश पासवान के बाइक अनियंत्रित हो गया और बाइक पलट जाने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल के सिर में गंभीर चोट आई है, बरहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया।

रेलवे सुरक्षा बल ने आम लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाया

साहिबगंज : रेलवे सुरक्षा बल साहिबगंज के उप निरीक्षक सरोज कुमार के द्वारा आम लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। जहां महाराजपुर रेलवे स्टेशन के पास चलाया गया। वहीं सुरक्षा बल के द्वारा जिसमें लोगों से अपील किया गया कि रेलवे लाइन से यातायात नहीं करने, ट्रेन पर पत्थर नहीं मारने, रेलवे लाइन पर पत्थर नहीं रखने, रेल लाइन के किनारे जानवर नहीं चराने, चलती ट्रेन पर न चढ़े और ना ही उतरे, की जानकारी दी गई। रेलवे सहायता टोल फ्री नंबर 139 एवं अन्य महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया गया।

एमवीआई ने 24 वाहनों से वसूला 39 हजार रुपये जुर्माना

पश्चिमी सिंहभूम : जिला परिवहन कार्यालय की ओर से शुक्रवार को चक्रधरपुर के कब्रिस्तान रोड के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक नेल्सन तिर्की और कृष्णा सोरेन ने किया। इस दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर वाहनों की जांच की गई। जांच अभियान में दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट और चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से जुमार्ना वसूला गया।
इमवीआई ने बताया कि जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालकों की संख्या अधिक पाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों में हेलमेट का उपयोग नहीं करने के कारण दुर्घटना के दौरान लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट की उपयोगिता को समझने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने की अपील की। अभियान के दौरान कुल 24 वाहनों की जांच में नियम उल्लंघन पाए जाने पर 39 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। जिला परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस तरह का अभियान आगे भी लगातार चलाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

11 बजे तक अल्ट्रासाउंड में डॉक्टर नदारद गर्भवती महिला भूखे अस्पताल में भटकती रही

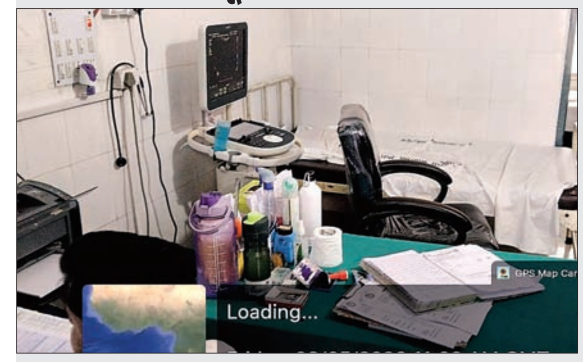

साहिबगंज : सदर अस्पताल के अल्ट्रासाउंड में एक बार फिर डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी समय का पालन नहीं कर रहे है। इसके चलते अल्ट्रासाउंड जांच के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं को भेखे पेट रहना पड़ता है। शुक्रवार को 11 बजे अल्ट्रासाउंड कक्ष में डॉक्टर व स्वास्थ कर्मी नही थे। कुर्सी खाली रहा। हालांकि इस दौरान एक कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे। वहीं मरीजों ने बताया कि एक एएनएम आई थी उनलोगों का नम्बर लगाया गया है। इसके बाद एएनएम कही निकल गई। मरीजों का आरोप है कि करीब दो घण्टा से बैठे रहे। लेकिन डॉक्टर साहब नहीं है। इसमें आधा से ज्यादा मरीज गर्भवती महिलाएं है। लेकिन डॉक्टर नदारद रहने के चलते गर्भवती महिलाओं को भूखा रहना पड़ा। इसके चलते ग्रमीण क्षेत्रो से मरीज व उसके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जमीन विवाद को लेकर गोलीबारी, 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के छोटा उदाली गांव के चांदू टोला में गोलीबारी की घटना में 45 वर्षीय व्यक्ति जलका हेम्ब्रम ऊर्फ सीताराम हेम्ब्रम की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीण से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 9 बजे गोली चलने की घटना घटी। बताया गया कि जमीन विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया तथा घटना की सूचना के बाद बरहेट थाना पुलिस रात्रि करीब एक बजे घटना स्थल पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही हेतु थाना लाई। इस मामले में मृतक की पत्नी मिरु मरांडी ने बताई कि जेठा हेम्ब्रम ने उसके पति सीताराम हेम्ब्रम को गोली मारा है। उन्होने बताई कि जेठा रात में उसके घर पहुंचा और पुछा कि दारू है तो दो नहीं तो दोनों को मार देंगे।दारू नहीं होने की बात कहने के बाद ही उसके पति को कान के पास गोली मार दी और उसका पति वहीं गिर पड़ा। यह भी बताई कि जेठा ने तीन माह पूर्व धमकी दिया था कि वह पति-पत्नी को जान से मार देगा। वही पति की मौत हो जाने के बाद पत्नी व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।बरहेट थाना पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना के कारणों के लिए पुलिस छानबीन में जुटी है।

सदर अस्पताल के डेंटल विभाग में डॉक्टरों की नदारदी, मरीजों को इंतजार करना पड़ा

साहिबगंज : सदर अस्पताल के डेंटल विभाग में शुक्रवार को 11:39 बजे डेंटिस्ट के इंतजार में मरीज बैठे रहे। हालांकि डॉक्टर नदारद थे। इसके चलते मरीजों को काफी परेशानी हुई। इस दौरान सिर्फ एक डेंटक हाईजेनिक के भरोसे डेंटल विभाग चलता रहा। जबकि डॉक्टर नही थे। इलाज के लिए शहर के बाटा रोड स्थित तालाब स्कूल के पास की रहने वाली महिला कंचन देवी इलाज के लिए पहुची। लेकिन डेंटिस्ट नही रहने पर उन्हें काफी देर इंतजार करना पड़ा। महिला का आरोप है कि वे दांत का इलाज कराने के लिए आई है। लेकिन यहां एक भी डॉक्टर नही है। सिर्फ एक डेंटल हाईनेजिक है। जानकारी के मुताबिक डेंटल विभाग में तीन डेंटिस्ट है। इसमें डॉ. भारती कुमारी व डॉ. सागरिका छुट्टी पर गई है। जबकि डॉ. देवजीत राम का ड्यूटी है। लेकिन वो भी नदारद रहे। दरअसल सीएस सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा को सुधारने के लिए काफी मशक्कत कर रहे है। इसके बावजूद कुछ डॉक्टर सीएस के निर्देश का कोई पालन नही कर रहे है। इसके चलते मरीजों को इसका खामियाजा भूगतना पड़ रहा है। इधर 12 बजे के बाद डेंटिस्ट डॉ. देवजीत के आने के बाद मरीजों का इलाज शुरू हुआ। इससे मरीजों ने राहत की सांस ली है। इधर अस्पताल मैनेजर अमन पांडे ने बताया कि इस मामला में जानकारी इकट्ठा कर मामले की जांच की जाएगी।

कृषि विज्ञान केंद्र में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

साहिबगंज : कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ. सुप्रिया सिंह द्वारा वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया तथा वर्ष 2026-27 की कार्य योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में साहिबगंज जिले के कृषि, पशुपालन, भूमि संरक्षण, उद्यान, नाबार्ड, जेएसएलपीएस, जेटीडीएस, आरएसईटीआई के पदाधिकारी, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा वर्ष 2026 हेतु साहिबगंज जिले की आकस्मिक योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विचार-विमर्श उपरांत योजना को परिष्कृत किया गया, जिससे जिले के कृषकों के समग्र विकास एवं कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिल सके।

एक नजर

मंडा पूजा आदिवासी आस्था और संस्कृति का प्रतीक : विधायक

खूंटी : विधायक राम सूर्या मुंडा ने कहा कि मंडा पूजा आदिवासी समाज की आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है, जिसे सहेज कर रखना आवश्यक है। विधायक शुक्रवार को कर्रा प्रखंड के तस्की बिरदा गांव में आयोजित मंडा पूजा मेला और नागपुरी ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विधायक बाबा बूढ़ा महादेव पूजा स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धापूर्वक नमन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं और ग्रामीणों से मुलाकात कर मंडा पूजा की महत्ता पर चर्चा की। ग्रामीणों की मांग पर विधायक राम सूर्या मुंडा ने तस्की में भूत जल्द झूलन खूंटा निर्माण कार्य कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता तौकिर आलम, फिरोज खान, लाल मुंडा, राजेश मुंडा, अजीत मुंडा, जिला सचिव सुशील पाहन, विधायक प्रतिनिधि अनूप लकड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

लोगों को दी गई आग से बचाव, सुरक्षा उपायों की जानकारी

खूंटी : कर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शुक्रवार को अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल कर्मियों और आम लोगों को आग से बचाव, सुरक्षा उपायों एवं आपातकालीन स्थिति में सतर्क रहने के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मियों को अग्निशमन यंत्र के सही उपयोग, आग लगने की स्थिति में प्राथमिक बचाव उपाय और मरीजों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए सभी को सुरक्षा नियमों का पालन गंभीरता से करना चाहिए। अस्पताल परिसर में मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने आपातकालीन स्थिति से निपटने का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने पर तत्काल प्रतिक्रिया, मरीजों की सुरक्षित निकासी और बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद कर्मियों ने अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी भी प्राप्त की। कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। मौके पर डॉमंजीत तिर्की, नूतन कुमारी, अश्विनी साह, सरवर इकबाल, अभिजीत कुमार, बैजू कुमार, बिपुल कुमार, सीएचओ सच्चिदानंद कुमार सहित नर्स, स्वास्थ्यकर्मी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

जर्जर मकान की दीवार गिरने से युवक और मजदूर की मौत

पलामू : पलामू जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ गेरूआ गांव में शुक्रवार को जर्जर मकान की कच्ची दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मकान मालिक का बेटा और एक मजदूर शामिल हैं। मृतकों की पहचान मकान मालिक प्रदीप उर्फ गटौरी बैठा के 20 वर्षीय पुत्र सतीश बैठा और 60 वर्षीय मजदूर दुखी भुइयां के रूप में हुई है। हादसा उस समय हुआ, जब पुराने मकान की मरम्मत का कार्य चल रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, प्रदीप बैठा के पुराने घर की मरम्मत के लिए तीन-चार मजदूर लगाए गए थे। मकान की खपड़ा छत हटाई जा चुकी थी और हाल में हुई बारिश के कारण मिट्टी की दीवार काफी कमजोर हो गई थी। सतीश बैठा भी मजदूरों के साथ मिलकर मरम्मत कार्य में जुटा हुआ था।

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी की आशंका नाकाम, नौ नाबालिग बच्चों को बचाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में नाबालिग बच्चों के पलायन और संभावित मानव तस्करी से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है।

रेलवे स्टेशन परिसर में चलाए गए संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान 9 नाबालिग बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाए जाने से पहले सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें 4 लड़के और 5 लड़कियां शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लड़कों को गुजरात तथा लड़कियों को तमिलनाडु भेजे जाने की तैयारी थी।

गुरुवार देर रात यह कार्रवाई चक्रधरपुर थाना प्रभारी अवधेश कुमार के नेतृत्व में की गई।

अभियान में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), रेलवे राजकीय पुलिस (जीआरपी), महिला थाना, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) तथा कर्रा सोसाइटी फॉर रूरल एक्शन, रांची की टीम शामिल रही।

संयुक्त टीम स्टेशन परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे बच्चों की पहचान कर पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान बच्चों के बारे में जानकारी मिलने पर टीम सक्रिय हुई और सभी को अपने संरक्षण में ले लिया।

पूछताछ में बच्चों ने बताया कि उन्हें बाहर राज्यों में काम दिलाने और बेहतर कमाई का सपना दिखाकर ले जाया जा रहा था।

अधिकारियों को आशंका है कि बच्चों को घरेलू काम, फैक्ट्री या अन्य श्रम कार्यों में लगाने की योजना हो सकती थी। समय रहते कार्रवाई होने से बच्चों को संभावित शोषण, बंधुआ मजदूरी और तस्करी के खतरे से बचा लिया गया।

रेस्क्यू के बाद बाल कल्याण समिति के निर्देश पर सभी बच्चों को सुरक्षित आश्रय गृह भेजा गया। चारों लड़कों को 'बाल कुंज' और पांचों बच्चियों को 'छाया बालिका गृह' में रखा गया है। वहां उनकी काउंसलिंग कराई जा रही है। साथ ही बच्चों के परिवारों से संपर्क कर पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रशासन यह भी पता लगाने में जुटा है कि बच्चों को स्टेशन तक कौन लेकर आया था और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं।

पानी संकट पर भाजपा का प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी : बुधराम लागुरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने चाईबासा में पानी संकट को लेकर भाजपा द्वारा किए गए प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी बताया है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि भाजपा जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के बजाय केवल दिखावटी आंदोलन कर रही है।

बुधराम लागुरी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेयजल संकट की समस्या भाजपा शासनकाल से चली आ रही है, लेकिन उस दौरान इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। अब राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस व्यवस्था को सुधारने का काम कर रहे हैं।

झामुमो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि राज्य सरकार गांव-गांव तक पेयजल सुविधा पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कई क्षेत्रों में पाइपलाइन विस्तार, जलमीनार निर्माण और खराब चापाकलों की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इसके बावजूद भाजपा जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। बुधराम लागुरी ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्यों को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

वर्कर्स कॉलेज से दो संकायों के हटने के विरोध में अभाविप का प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा की ओर से पाठ्यक्रम पुनर्गठन के तहत जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के स्नातक स्तर से कला और विज्ञान संकाय हटाने के प्रस्ताव के विरोध में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के बैनर तले बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इस निर्णय को छात्र विरोधी बताया और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

अभाविप कार्यकर्ताओं का कहना था कि वर्कर्स कॉलेज मानगो और आसपास के क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। यहां शहर के अलावा पटमदा, बोड़ाम, घाटशिला, बहरागोड़ा सहित ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ाई करने आते हैं। ऐसे में कला और विज्ञान संकाय हटाने का निर्णय गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों के भविष्य पर सीधा असर डालेगा।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि वर्तमान में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के सामने भी अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रमुख विषय, गौण विषय और बहुविषयक पाठ्यक्रम से जुड़े विद्यार्थियों को नामांकन, विषय चयन और आगे की पढ़ाई को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। छात्रों का आरोप था कि विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम पुनर्गठन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से कोई राय नहीं ली।

टूइलाडुंगरी में लगातार दूसरे दिन कारों में लगी आग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी थाना क्षेत्र के टूइलाडुंगरी स्थित सेकेंड हैंड कार शोरूम में लगातार दूसरे दिन आग लगने की घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। गुरुवार देर रात साईं मोटर्स सेल-परचेज परिसर में खड़ी दो सेकेंड हैंड कारें धू-धू कर जल उठीं। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों तक भी लपटें पहुंचने लगीं। हालांकि दमकल विभाग की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया और आग पर समय रहते काबू पा लिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात सबसे पहले एक कार से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में कार आग के गोले में तब्दील हो गई और आग ने बगल में खड़ी दूसरी कार को भी अपनी चपेट में ले लिया।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग और गोलमुरी थाना पुलिस को दी। दमकल की टीम पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग बुझाई गई, लेकिन तब तक दोनों कारें पूरी तरह जल चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी शोरूम में बुधवार को भी एक कार में आग लगी थी। उस समय शुरूआती तौर पर शॉर्ट सर्किट को कारण माना गया था, लेकिन लगातार दूसरी बार देर रात हुई आगलगी की घटना के बाद अब लोगों को किसी शरारती तत्व की करतूत होने की आशंका है। इलाके के लोगों का कहना है कि एक ही परिसर में लगातार दो दिन आग लगना सामान्य घटना नहीं हो सकती।

साईं मोटर्स के संचालक ने भी घटना को संदिग्ध बताते हुए कहा कि उनकी गाड़ियां अपने आप नहीं जल रही हैं। उन्होंने आशंका जताई कि किसी साजिश के तहत उनके वाहन निशाना बनाए जा रहे हैं। संचालक का कहना है कि बुधवार सुबह को एक कार जली थी और रात को दो कारों में आग लगा दी गई। यह महज संयोग नहीं हो सकता। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

घटना के दौरान सड़क किनारे कई अन्य वाहन भी खड़े थे। आग की लपटें अगर आगे बढ़तीं तो कई और गाड़ियां इसकी चपेट में आ सकती थीं। इससे बड़ा हादसा होने की संभावना थी। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि रेलवे स्टेशन जाने वाली कालीमाटी सड़क किनारे अवैध रूप से सेकेंड हैंड कारों का शोरूम संचालित किया जा रहा है।

सड़क के किनारे लाइन से 'फॉर सेल' लिखी गाड़ियां खड़ी रहती हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ हादसे का खतरा भी बना रहता है। लोगों ने कहा कि रातभर सड़क किनारे बड़ी संख्या में वाहन पार्क रहते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

गोलमुरी थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आग दुर्घटनावश लगी या किसी ने जानबूझकर घटना को अंजाम दिया। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से इलाके के लोग सहमे हुए हैं और जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

तुलाराम भूस्खा स्कूल में नामांकन को लेकर छात्रों ने लगाए पैसे मांगने के आरोप

गोड्डा : गोड्डा जिले के तुलाराम भूस्खा प्लस टू हाई स्कूल से शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। विद्यालय प्रबंधन और कुछ शिक्षकों पर इंटरमीडिएट में नामांकन के नाम पर छात्रों से अवैध रूप से पैसे मांगने और मनमानी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। घटना के बाद छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार हाल ही में जैक बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद स्कूल में साइंस और कॉमर्स संकाय में नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई थी। छात्रों का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन केवल उन्हीं छात्रों का नामांकन ले रहा है जो अतिरिक्त पैसे देने को तैयार हैं। वहीं सेकंड डिवीजन से पास हुए छात्रों को एडमिशन देने में टालमटोल की जा रही है। पीड़ित छात्रों के मुताबिक जब उन्होंने शिक्षकों से नामांकन नहीं लेने का कारण पूछा, तो कथित तौर पर कहा गया कि एडमिशन होगा, लेकिन इसके लिए एक से दो हजार रुपये बेसिक देना होगा।

भारत की अंडर-18 हॉकी टीम में नवल टाटा हॉकी अकादमी के तीन खिलाड़ी चयनित, ऑस्ट्रेलिया सीरीज में दिखाएंगे दम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) के तीन प्रतिभाशाली कैडेट प्रेमचंद सोय, जैसन कंडुलना और आशीष तानी पूर्ति का चयन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आगामी चार मैचों की सीरीज के लिए भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम में किया गया है। खिलाड़ियों के चयन से अकादमी और जमशेदपुर में खुशी का माहौल है।

यह सीरीज 15 मई से 20 मई 2026 तक एसएआई सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता को मई के अंत में जापान के काकामिगाहारा में होने वाले पुरुष अंडर-18 एशिया कप की तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एशिया कप का आयोजन 29 मई से 06 जून 2026 तक होगा।

तीनों खिलाड़ियों ने एक सप्ताह तक चले राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम के अंतिम 24 सदस्यीय दल में जगह बनाई। इस शिविर में देशभर से चुने गए 42 संभावित खिलाड़ियों का तकनीकी कौशल, मैच फिटनेस और रणनीतिक तैयारी के आधार पर मूल्यांकन किया गया था।

चयनित खिलाड़ियों में आशीष तानी पूर्ति डिफेंडर, प्रेमचंद सोय मिडफील्डर और जैसन कंडुलना फॉरवर्ड की भूमिका निभाएंगे। अलग-अलग पोजिशन पर खेलने वाले इन खिलाड़ियों से टीम को मजबूत संतुलन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली यह सीरीज खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का अनुभव देने के साथ-साथ उच्च स्तरीय मुकाबलों में अपनी क्षमता साबित करने का अवसर भी प्रदान करेगी। इसे आगामी एशिया कप के लिए टीम की रणनीतिक और मानसिक तैयारी का अहम हिस्सा माना जा रहा है। इस उपलब्धि पर एनटीएचए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गुरमीत सिंह राव ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रेमचंद, जैसन और आशीष का चयन उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अकादमी युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल, संरचित प्रशिक्षण और पेशेवर कोचिंग उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

बैंकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने चलाया ऑपरेशन सतर्क

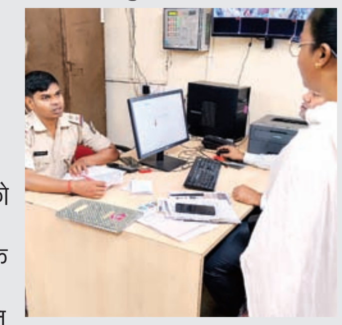

खूंटी : हजारीबाग जिले में दिनदहाड़े हुई बैंक लूट की घटना को देखते हुए खूंटी पुलिस ने जिले के सभी बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बीते सप्ताह 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत जिले के कुल 55 बैंकों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट किया गया। पुलिस की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि ऑडिट के दौरान पुलिस टीम ने बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड, अलार्म सिस्टम तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और सुरक्षा मानकों के पालन की भी समीक्षा की। जांच के क्रम में जिन बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था में कमी पाई गई, वहां संबंधित शाखा प्रबंधकों को आवश्यक सुधार जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बैंक ग्राहकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है तथा आगे भी इस तरह का जांच अभियान जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा में गत 24 अप्रैल को करोड़ों रुपये की सोना और कैश की लूट हुई थी। इस मामले में झारखंड पुलिस ने यूपी एसटीएफ के साथ मिलकर अंतरराज्यीय बैंक लुटेरा गैंग के तीनआरोपितों को वाराणसी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से करीब एक किलो सोना, 20 लाख रुपये नकद, एक कार और मोबाइल फोन बरामद किए गए थे।

टीएमएच में बुजुर्ग मरीज की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित टीएमएच में शुक्रवार को इलाज के दौरान एक बुजुर्ग मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मृतक की पहचान सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह निवासी 78 वर्षीय तारकनाथ शर्मा के रूप में हुई है। परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों और प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। परिवार के अनुसार, तारकनाथ शर्मा को 4 मई को तबीयत बिगड़ने के बाद टीएमएच में भर्ती कराया गया था। शुरूआत में डॉक्टरों ने उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर करने की बात कही थी, लेकिन बाद में अस्पताल में ही भर्ती कर लिया गया। परिजनों का आरोप है कि पहले दवा से इलाज की बात कही गई, लेकिन बाद में अचानक ऑपरेशन जरूरी बताते हुए 41 हजार रुपये जमा करने को कहा गया। गुरुवार सुबह राशि जमा कराने के बाद शाम में ऑपरेशन किया गया। बताया गया कि ऑपरेशन के बाद मरीज को जनरल वार्ड में शिफ्ट किया गया, जहां उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे और अस्पताल परिसर में हंगामा करने लगे। हंगामा रोकने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा,तब कहीं जाकर मृतक के परिजन शांत हुए ।उनका कहना था कि यदि समय पर सही इलाज और निगरानी होती तो मरीज की जान बचाई जा सकती थी। इधर, अस्पताल प्रबंधन ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया है। प्रबंधन का कहना है कि ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया था, लेकिन बाद में मरीज को अचानक हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

वाहन चोर गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एआईडब्लूसी स्कूल के पास देर रात गश्ती के दौरान की गई। पुलिस को देखते ही बाइक सवार युवक भागने लगे, जिसके बाद पीछा कर उन्हें दबोच लिया गया। तलाशी और पूछताछ में पुलिस ने दो बाइक और एक चोरी की स्कूटी बरामद की। मामले की जानकारी सिटी एसपी ललित मीणा ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। गिरफ्तार आरोपियों में मानगो ओल्ड पुरूलिया रोड निवासी रंजीत धीवर (27), बाबूडीह बस्ती निवासी शेखर प्रमाणिक (27), कान्हू भट्ठा निवासी संतोष भुइयां उर्फ गोलू (21) तथा बाबूडीह लालभट्ठा निवासी राज खान उर्फ अयुब अंसारी उर्फ फिरोज खान शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे शहर में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने बारीडीह हाई स्कूल के पास स्थित एक खंडहर मकान में छापेमारी की, जहां से चोरी की एक बाइक और स्कूटी बरामद की गई। जांच के दौरान पता चला कि गिरोह चोरी किए गए वाहनों के पार्ट्स अलग कर बेचने का काम करता था। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

प्रशासन ने की मेडिकल स्टोरों की जांच वैध प्रिस्क्रिप्शन पर ही दवा बेचने का निर्देश

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को दवा निरीक्षक सोनी बारा ने चाईबासा शहर के सदर बाजार स्थित सूर्या मेडिकल स्टोर और अग्रवाल मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मेडिकल दुकानों में दवाओं की खरीद-बिक्री से जुड़े अभिलेख, स्टॉक रजिस्टर और दवाओं के रखरखाव की व्यवस्था की गहन जांच की गई। साथ ही यह भी देखा गया कि दुकानदार औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण में दोनों दुकानों की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। दवा निरीक्षक ने विशेष रूप से कोडीन युक्त सिरप की उपलब्धता की जांच की, लेकिन किसी भी दुकान में इस तरह की दवा नहीं मिली। अधिकारियों ने मेडिकल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी दवा की बिक्री केवल चिकित्सक के वैध प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर ही की जाए। निरीक्षण के दौरान मेडिकल दुकानदारों को यह भी कहा गया कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों या बार-बार अनियमित तरीके से दवा खरीदने का प्रयास करता दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों या नजदीकी थाने को दें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थ के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की अवैध बिक्री रोकने के लिए आगे भी जिलेभर में नियमित जांच अभियान चलाया जाता रहेगा।

संक्षिप्त डायरी

परियोजना प्रबंधक परीक्षा स्थगित, अब दो चरणों में होगी चयन प्रक्रिया

पटना (एजेंसी) उद्योग विभाग में परियोजना प्रबंधक के नौ पदों पर नियुक्ति के लिए 30 मई को आयोजित होने वाली परीक्षा को बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने स्थगित कर दिया है. इस परीक्षा के लिए करीब 11,600 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है. 30 मई को प्रस्तावित थी परीक्षा ढंउल्लं ठी६२ः उद्योग विभाग में परियोजना प्रबंधक के नौ पदों पर नियुक्ति के लिए 30 मई को आयोजित होने वाली परीक्षा को बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने स्थगित कर दिया है. इस परीक्षा के लिए करीब 11,600 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है. सिंगल स्टेज की जगह अब होगी डबल स्टेज परीक्षा सूत्रों के अनुसार पहले यह परीक्षा एक ही चरण में आयोजित की जानी थी, लेकिन अब इसे दो चरणों में लेने की तैयारी की जा रही है. नई व्यवस्था के तहत पहले प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) आयोजित होगी. पीटी में सफल अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा. मुख्य परीक्षा के आधार पर बनेगी मेधा सूची मुख्य परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम मेधा सूची तैयार की जाएगी और उसी के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होगी. बीपीएससी की ओर से परीक्षा की नई तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी.

केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य को दी गई विदाई, सम्मान समारोह में भावुक माहौल

पटना (एजेंसी) केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य को दी गई विदाई, सम्मान समारोह में भावुक माहौल प्राचार्य हरी सिंह मीणा को मिठाई खिलाकर एवं बुके देकर विदाई देते हुए शिक्षक लखीसरायः जिले के खगौर पंचायत अंतर्गत किऊल नदी के किनारे स्थित केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य हरी सिंह मीणा के तबादला के बाद उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया. इसके साथ ही उन्हें बुके देकर भावभीनी विदाई दी गई. प्राचार्य हरी सिंह मीणा के द्वारा शिक्षक दिवस पर कुमार भगत को प्राचार्य का प्रभार विदाई समारोह का आयोजन करने वाले मुकेश पटेल ने कहा कि हरी सिंह मीणा की देखरेख में खगौर में विद्यालय का सफलतापूर्वक शिफ्ट किया गया है. उन्होंने कहा कि विद्यालय के अपने भवन में आ जाने से यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब हर सुविधा उपलब्ध होगी. उन्होंने बताया कि विद्यालय भवन में पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य सभी गतिविधियों की सुविधा उपलब्ध है. अब विद्यालय भवन में कमरा, हॉल, आवास, मैदान, सभी विभागों के चैंबर समेत सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं.

कैमूर में चापाकल पर गिरने से महिला की मौत, उपला उतारने के दौरान हुआ हादसा

पिटना (एजेंसी) जले के भभुआ अनुमंडल अंतर्गत रामपुर प्रखंड के झाली गांव में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में महिला की मौत हो गई. (भभुआ से अमित सिन्हा) जिले के भभुआ अनुमंडल अंतर्गत रामपुर प्रखंड के झाली गांव में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में महिला की मौत हो गई. पटनी से उपला उतारने के दौरान सीढ़ी फिसलने से महिला चापाकल पर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. क्या है पूरा मामला इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतका की पहचान करमचट थाना क्षेत्र के झाली गांव निवासी बहादुर राम की 38 वर्षीय पत्नी रीना देवी के रूप में हुई है. घटना शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे की बताई जा रही है. परिजनों के मुताबिक रीना देवी अपने घर में पटनी से उपला उतार रही थीं. सीढ़ी से फिसलने से हुआ हादसा इसी दौरान बांस से बनी सीढ़ी अचानक फिसल गई और वह नीचे लगे चापाकल पर गिर पड़ीं. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं. घटना के बाद परिजन उन्हें तुरंत रामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए भभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया. परिवार का रो-रोकर बुरा हाल सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर सितेश राज ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया. महिला की मौत की खबर मिलते ही में चीख पुकार मच गया. सदर अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल बना हुआ है.

गयाजी में आरपीएफ की छापेमारी, फर्जी तरीके से टिकट खरीद-बिक्री करने वालों पर शिकंजा

पटना (एजेंसी) रेलवे टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए आरपीएफ ने गया जिले में विशेष अभियान चलाया. इस दौरान गया रिजर्वेशन काउंटर, विष्णुपद, शेरघाटी, बोधगया और टिकरी समेत कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई (गयाजी से रोहित कुमार) रेलवे टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए आरपीएफ ने गया जिले में विशेष अभियान चलाया. इस दौरान गया रिजर्वेशन काउंटर, विष्णुपद, शेरघाटी, बोधगया और टिकरी समेत कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई. कार्रवाई के दौरान शेरघाटी में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. आरपीएफ ने एक आरोपित को दबोचा मिली जानकारी के अनुसार, आरपीएफ की टीम ने टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया. शेरघाटी रिजर्वेशन काउंटर के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आरपीएफ ने अभी तक आरोपी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है. कई स्थानों पर एक साथ हुई छापेमारी आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने बताया कि रेलवे रिजर्वेशन काउंटरों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है. अभियान के दौरान कई स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसमें कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं. उनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है और जांच जारी है. इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और दस्तावेज बरामद आरपीएफ के अनुसार, छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं. इन्हीं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है. अधिकारियों ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है. रेलवे प्रशासन ने लोगों से की अपीलरेलवे प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे रेलवे टिकट केवल अधिकृत काउंटर या ऑनलाइन माध्यम से ही खरीदें. साथ ही किसी भी दलाल या अवैध एजेंट से लेन-देन करने से बचें. रेलवे ने चेतावनी दी है कि टिकटों की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर दी बधाई

कहा बिहार में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए रोड मैप बनाएगी सरकार, मुख्यमंत्री ने दिखाई रूचि

पटना (एजेंसी) गोरखपुर के सांसद सह फिल्म अभिनेता रवि किशन ने आज पटना में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर मुख्यमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान उन्होंने उनके कार्यकाल के स्वर्णिम होने की कामना की और कहा कि वे मुख्यमंत्री के मुरीद हो गये। बिहार को एक बेहतरीन मुख्यमंत्री मिला है, जो देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के विजन को आगे बढाते हुए विकास की नयी गाथा लिखने को समर्पित हैं। रवि किशन ने कहा कि आज हुई मुलाकात में माननीय मुख्यमंत्री के साथ बिहार में फिल्म सिटी की स्थापना, भोजपुरी सिनेमा के विकास, कलाकारों को प्रोत्साहन और राज्य में फिल्म शूटिंग के लिए बेहतर माहौल तैयार करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस विषय को बेहद गंभीरता से लिया और बिहार में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के प्रति गहरी रुचि दिखाई। रवि किशन ने कहा कि बिहार में फिल्म सिटी बनने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय कलाकारों, संगीतकारों तथा तकनीशियनों को बड़ा मंच मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार हिंदी फिल्मों और भोजपुरी सिनेमा की शूटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी योजना पर भी विचार कर रही है। साथ ही भोजपुरी भाषा, साहित्य और इतिहास पर आधारित फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के बाद फिल्म उद्योग के लिए अनुकूल माहौल तैयार होगा। इसी दिशा में हाल ही में बिहार में जी अवॉर्ड जैसे बड़े कार्यक्रम की शुरूआत हुई है और आने वाले समय में कई बड़े अवॉर्ड शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम और फिल्मों की शूटिंग राज्य में आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। रवि किशन ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी क्षेत्रीय कलाकारों और भोजपुरी भाषा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने को लेकर काफी गंभीर और संवेदनशील हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में बिहार में फिल्म और मनोरंजन उद्योग का एक नया दौर शुरू होगा।

सड़क हादसे में घायल युवक की 10 दिनों बाद मौत, परिजनों में मचा कोहराम

पटना (एजेंसी) सड़क हादसे में घायल युवक की 10 दिनों बाद मौत, परिजनों में मचा कोहराम मृतक मंचल खगड़िया के पसराहा में पेट्रोल पंप के समीप सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 17 वर्षीय मंचल कुमार की इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई. 30 अप्रैल को बाइक अनियंत्रित होने से हुए इस हादसे के बाद युवक का बेगूसराय के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था. गोगरी, खगड़िया से रणवीर झा की रिपोर्टः पसराहा थाना क्षेत्र के बंदेहरा-भरतखंड मुख्य मार्ग पर झंझरा पेट्रोल पंप के पास बीते 30 अप्रैल को हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 17 वर्षीय युवक मंचल कुमार की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक की पहचान झंझरा (वार्ड संख्या 18) निवासी ओपी मुनि के पुत्र के रूप में हुई है. युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पेट्रोल भरवाने जाने के दौरान हुआ था हादसा मिली जानकारी के अनुसार, मृतक मंचल कुमार 30 अप्रैल को अपनी बाइक से झंझरा स्थित पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने जा रहा था. इसी दौरान उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. हादसा इतना भीषण था कि मंचल के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वह सड़क पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा. घटना की सूचना मिलते ही पसराहा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया. बेगूसराय में चल रहा था इलाज मंचल की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खगड़िया रेफर कर दिया था. वहां भी स्वास्थ्य में सुधार न होने पर उसे बेगूसराय के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. पिछले 10 दिनों से वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा था, लेकिन शुक्रवार को अस्पताल में उसने अंतिम सांस ली. परिजनों ने बताया कि मंचल अभी काफी छोटा था और इस घटना ने पूरे परिवार को तोड़ कर रख दिया है. पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

दीदारगंज में युवक की गोली मारकर हत्या, कोठिया गांव में दहशत

पटना (एजेंसी) दीदारगंज थाना क्षेत्र के कोठिया गांव में गुरुवार देर रात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. देर रात वारदात से इलाके में फैली सनसनी ढंउल्लं ठी६२ः दीदारगंज थाना क्षेत्र के कोठिया गांव में गुरुवार देर रात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. बताया जा रहा है कि अपराधियों ने युवक को नजदीक से गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही दीदारगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. पुलिस ने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं. प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश और पुरानी दुश्मनी के एंगल पर भी पड़ताल की जा रही है. हालांकि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है. परिजनों में मचा कोहराम युवक की हत्या की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव में मातम पसरा हुआ है. ग्रामीणों में भी घटना को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं से लोगों में भय का माहौल बन गया है. अपराधियों की तलाश में जुटी पुलिस पुलिस के अनुसार मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है

लीची किसानों की समस्या पर शिवराज सिंह चौहान का बड़ा फैसला, बनी विशेषज्ञ कमेटी

पटना (एजेंसी) बिहार के लीची किसानों की परेशानी अब सीधे केंद्र सरकार तक पहुंच गई है. लीची स्टिंग बग से फसल को हो रहे नुकसान पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तुरंत विशेषज्ञ टास्क फोर्स गठित कर बड़ा कदम उठाया है. आखिर क्या करेगी यह टीम और किसानों को कैसे मिलेगी राहत, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार के लीची किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बड़ा फैसला किया है. लीची स्टिंग बग के कारण फसल को हो रहे नुकसान को देखते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री के निर्देश पर एक विशेषज्ञ कार्यबल (टास्क फोर्स) का गठन किया गया है. यह टीम बिहार के प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेगी और किसानों को राहत देने के लिए सुझाव देगी. कृषक संवाद कार्यक्रम में उठा था कि इस कीट के कारण लीची फसल को भारी नुकसान हो रहा है. मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री ने तुरंत विशेषज्ञ कमेटी गठित करने का निर्देश दिया. एक सप्ताह में देनी होगी रिपोर्ट राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह टास्क फोर्स प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर फसल क्षति का वैज्ञानिक अध्ययन करेगी. इसके साथ ही टीम किसानों के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक समाधान सुझाएगी. कार्यबल को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय कृषि मंत्री को सौंपनी होगी. विशेषज्ञ और वैज्ञानिक शामिल इस टास्क फोर्स में कई प्रमुख संस्थानों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया है. राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के निदेशक को इसका अध्यक्ष बनाया गया है. इसके अलावा बिहार सरकार, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों को सदस्य बनाया गया है. प्रभावित प्रखंडों का होगा दौरा आदेश के मुताबिक, विशेषज्ञ टीम जल्द ही बिहार के लीची उत्पादक जिलों के किसानों के लिए राहत का संदेश केंद्रीय कृषि मंत्री की इस पहल को लीची किसानों के लिए राहत और भरोसे का बड़ा कदम माना जा रहा है. किसानों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होने से फसल को बड़े नुकसान से बचाया जा सकता है.

नवादा में दिखेगी ककोलत जलप्रपात की झलक, शहर के चौक पर हो रहा सौंदर्यीकरण, लाइटिंग और फव्वारों का निर्माण

पटना (एजेंसी) :नवादा शहर में अब लोगों को प्रसिद्ध ककोलत जलप्रपात की खूबसूरती की झलक शहर के बीचों-बीच देखने को मिलेगी. नगर परिषद की ओर से केंदुआ बाईपास शहर प्रवेश मार्ग और भगत सिंह चौक के समीप विशेष थीम आधारित ककोलत सीन पार्क का निर्माण कराया जा रहा है. इस परियोजना पर करीब 76 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं. निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और जल्द ही यह स्थल लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने वाला है. रात के समय रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमगा उठेगा. जिससे यह स्थल सेल्फी प्वाइंट और परिवारों के घूमने के लिए खास आकर्षण बनेगा. बिहार के नवादा शहर में अब लोगों को प्रसिद्ध ककोलत जलप्रपात की खूबसूरती की झलक शहर के बीचों-बीच देखने को मिलेगी. नगर परिषद की ओर से केंदुआ बाईपास शहर प्रवेश मार्ग और भगत सिंह चौक के समीप विशेष थीम आधारित ककोलत जलप्रपात सीन पार्क का निर्माण कराया जा रहा है. नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने क्या बताया? नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि शहर को सुंदर, स्वच्छ और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से यह विशेष पहल की जा रही है. उन्होंने कहा कि केंदुआ बाईपास से नवादा शहर में प्रवेश करने वाले यात्रियों को दूर से ही ककोलत जलप्रपात जैसा मनमोहक दृश्य दिखाई देगा. पार्क में कृत्रिम झरना, पानी के फव्वारे, आकर्षक लाइटिंग और बैठने के लिए आधुनिक कुर्सियों की व्यवस्था की जा रही है.उन्होंने बताया कि रात के समय रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमगा उठेगा, जिससे यह स्थल सेल्फी प्वाइंट और परिवारों के घूमने के लिए खास आकर्षण बनेगा. हरियाली, साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण को भी मद्देनजर भगत सिंह चौक के पास बन रहे पार्क में भी ककोलत थीम पर सजावट की जा रही है.

शादी समारोह से लौट रहे एक ही परिवार के छह लोग सड़क दुर्घटना में घायल

पटना (एजेंसी) बांका के कटोरिया चौक पर शुक्रवार को अनियंत्रित टाटा मैजिक की टक्कर से ऑटो सवार एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. शादी समारोह से घर लौट रहे इन घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है. कटोरिया (बांका) से दीपक चौधरी की रिपोर्टः कटोरिया चौक पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित टाटा मैजिक वाहन ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी. इस सड़क हादसे में ऑटो पर सवार एक ही परिवार की महिलाओं और बच्चों समेत कुल छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत कटोरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया. शादी समारोह से लौट रहा था परिवार प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल सभी लोग सुईया थाना क्षेत्र के गड्डुआ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे. शुक्रवार को वे ऑटो रिजर्व कर वापस अपने घर लौट रहे थे. जैसे ही उनका ऑटो कटोरिया चौक के समीप पहुंचा, सामने से आ रही एक अनियंत्रित टाटा मैजिक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया. टक्कर इतनी भीषण थी कि घटना के बाद कटोरिया चौक पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. फिलहाल सभी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है, हालांकि कुछ महिलाओं को गंभीर चोटें आई हैं जिनका इलाज जारी है. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है.

बक्सर में युवक के साथ दरिंदगी: शादी में जा रहे युवक को पीटा, गंभीर हालत में झाड़ी में मिला

पटना (एजेंसी) बक्सर जिले के नावानगर में एक युवक के साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है. शादी समारोह में जा रहे युवक को गंभीर रूप से घायल कर झाड़ी में फेंक दिया गया। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने उसे घायल अवस्था में बरामद कर अस्पताल पहुंचाया. (त्रिलोकी चौबे की रिपोर्बट) बक्सर में गुरुवार रात मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई. मित्र की शादी में शामिल होने जा रहे युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई. बताया जा रहा है की आरोपियों ने उसके प्राइवेट पार्ट को जलाकर उससे मरा समझ कर झाड़ी में फेंक दिया. युवक की पहचान रौशन शर्मा के नाम से हुई, जो नावानगर थाना इलाके का निवासी है. रौशन अपने दोस्लेत की शादी में गया था. लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा. जिसके बाद परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की. लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी. जानकारी न मिलने से पूरा परिवार परेशान होने लगा. शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे गांव के कुछ लोगों ने सड़क किनारे झाड़ियों से कराहने की आवाज सुनी. जिसके बाद ग्रामीणों ने झाड़ियों में देखा की रौशन शर्मा वहां घायल पड़ा है. जिसके बाद युवक को नग्न अवस्था में झाड़ी से निकाला गया और सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया. शरीर पर चोट के निशान, हालत गंभीर ग्रामीणों के अनुसार युवक के शरीर पर मारपीट के कई निशान है. डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद युवक की हालत गंभीर बताई है. बेहतर इलाज के लिए रौशन को सदर अस्पताल रेफर करने की तैयारी की जा रही है. कि युवक के बयान के बाद घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आएगी. आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं. पुलिस ने कहा है कि मामले में शामिल लोगों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा. इलाके में दहशत का माहौल घटना के बाद नावानगर इलाके में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है. स्थानीय लोग लगातार पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग कर रहे हैं. घटना से ग्रामीणों में आक्रोश इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश है. ग्रामीणों ने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है. लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं. पुलिस प्रशासन ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी. साथ ही दोषियों को सजा दिलाई जाएगी. फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है. युवक के बयान ने खुला राज इलाज के बाद होश में आने के बाद युवक ने बयान में बताया कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर गया था.

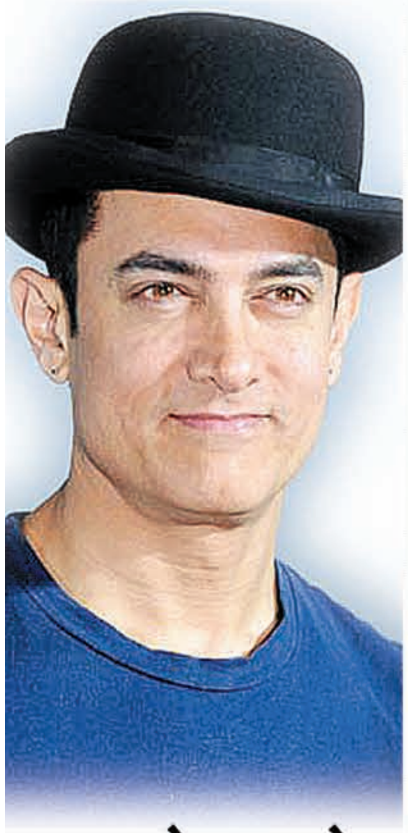

दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

'स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म'

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, 'दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू '3 इडियट्स 2' पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।'

'10 साल बाद लौटेंगे '3 इडियट्स' के किरदार'

वह बताते हैं, 'ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें '3 इडियट्स' के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।' आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।'

'सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म'

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, 'मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। 'एक दिन' के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।' वह आगे कहते हैं, 'अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक-दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।'

पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर 'प्रलय' की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। 'प्रलय' की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 'प्रलय' को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

'वाराणसी' की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर-मौजूदगी महसूस की जाएगी।

'वाराणसी' के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत 'कर्तव्य' 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।'

ऐसी है कहानी

'कर्तव्य' की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। 'सेक्रेड गेम्स' की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'फुकरे' जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा 'ग्लोरी' में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

'फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।' यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म 'बिट्टू बॉस' से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट 'फुकरे' फ्रेंचाइजी से लेकर 'डॉली की डोली' और 'पागलपंती' जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज 'ग्लोरी' सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।'

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

'खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। 'फुकरे' कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।'

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, 'मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आईं। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाईं तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।'

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, 'इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर–तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर–मानव सुथार।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये।

जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भ्ररोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

मुम्बई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रस्त से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद । दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

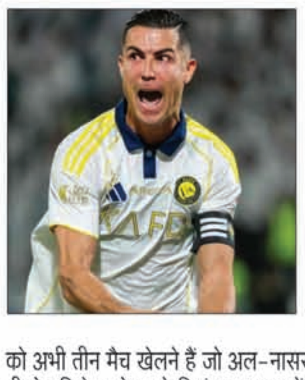

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाए हों। राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं। यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया। गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार जुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फ्रंटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी। है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों की खतना पर सुपीम कोर्ट में बहस, जस्टिस हैरान

–महिला ने कहा– इस प्रथा को पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिमों के दाऊदी बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों का खतना किए जाने की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बहस हुई। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए एक दाऊदी बोहरा महिला ने कहा कि इसके तहत बच्चियों के जननांग के एक हिस्से को काटा जाता है। इस दौरान उन्हें बेहद पीड़ा से गुजरना होता है। यह ट्रॉमा ऐसा होता है कि उन्हें पूरी जिंदगी इससे होने वाली शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरना होता है। उन्होंने कहा कि इस खतना के दौरान हजारों नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। महिला ने कहा कि इससे स्वास्थ्य को खतरा होता है और उनकी गरिमा से भी समझौता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने कहा कि इस प्रथा को तो पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाना चाहिए। दाऊदी बोरा समुदाय की महिला की ओर से पेश वकील ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि खतना की यह प्रथा 7 साल की बच्चियों के साथ होती है। उन्होंने कहा कि जब 7 साल की बच्ची के साथ इसे अंजाम दिया जाता है तो फिर सहमति का तो सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि बच्ची की सहमति की बात नहीं हो सकती और उसके परिजन सामाजिक दबाव में रहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि वे विरोध करेंगे तो उनके सामाजिक बहिष्कार का खतरा रहता है।

वकील ने कहा कि परिजन चुप रहते हैं क्योंकि यदि उनका बहिष्कार हुआ तो फिर वे ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जहां उनको समाज से बॉयकॉट कर दिया जाता है। समाज के साथ उनके आर्थिक और सामाजिक रिश्ते खत्म हो जाते हैं। इस विषय को भले ही सामाजिक प्रथा कहा जा रहा है, लेकिन जिस तरह से एक बच्ची को पीड़ा झेलनी पड़ती है वह मामला संवैधानिक और आपराधिक दायरे में चला जाता है। ऐसे में इस पर उसी आलोक में विचार किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच में चीफ जस्टिस सूर्यकांत के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार समेत 9 जज शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई में जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने हैरानी भी जताई कि आखिर इसके खिलाफ कोई कानून क्यों नहीं बना है। ऐसे में कोई कानून जरूर बनना चाहिए, जिससे इस पर रोक लग सके। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में कानून बनाकर रोक लगाने का अधिकार तो सरकार के पास ही है।

स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने कहा, पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करूंगा।' इस अवसर पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के राजनीति में आने और मंत्री बनने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को 21 वर्षों तक राजनीति से दूर रखा, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की जरूरत को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने विश्वास जताया कि निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में बेहतर काम होगा। बिहार सरकार में गुरुवार को हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार में 32 मंत्रियों को शामिल किया गया था। यह विस्तार एनडीए सरकार बनने के बाद प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों की हड़ताल, 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंबई (एजेंसी)। आगामी 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। दरअसल अखिल भारतीय औषध विक्रेता संगठनों द्वारा ऑनलाइन दवाओं की कथित अवैध बिक्री और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे के विरोध में राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का असर राज्य के सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा। संगठनों का कहना है कि बिना उचित जांच-पड़ताल और नियमों के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे न केवल छोटे मेडिकल दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूर होकर दवा विक्रेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर यह बंद किया जा रहा है। हालांकि, हड़ताल के दौरान गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरत की दवाएं पहले से खरीदकर रखें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राहुल गांधी आय से अधिक संपत्ति मामला–हाई कोर्ट ने बंद कमरे में सीलबंद कराई केस फाइल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में अहम सुनवाई की। मामले की संवेदनशीलता और दस्तावेजों की प्रकृति को देखते हुए अदालत ने न केवल सुनवाई 12 मई तक टाल दी, बल्कि पूरी केस फाइल को सीलबंद कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का आदेश भी दिया। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई के दौरान ही सीलबंद फाइल खोली जाएगी। इस मामले को लेकर अदालत ने प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतते हुए इसे इन-चैंबर (बंद कमरे) में सुना, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में मामले की सुनवाई जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार से जुड़ी एजेंसियों के अधिवक्ताओं ने अदालत से कहा कि उन्हें संबंधित विभागों से लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने सहमति जताते हुए अगली सुनवाई की तारीख 12 मई निर्धारित कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि तब तक सभी संबंधित पक्ष आवश्यक निर्देश प्राप्त कर लें। विदित हो कि यह याचिका कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने अज्ञात स्रोतों से बड़ी संपत्ति अर्जित की है, जिसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। याचिका में केंद्र सरकार के साथ-साथ सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने इन सभी एजेंसियों से व्यापक जांच कराने की मांग की है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर इससे पहले भी राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में याचिका दाखिल कर चुके हैं। मौजूदा याचिका में उन्होंने आय से अधिक संपत्ति का मुद्दा उठाते हुए विस्तृत जांच की मांग की है। अब इस पूरे मामले में अगली सुनवाई 12 मई को होगी। उसी दिन सीलबंद फाइल अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी और उसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पर निर्णय लिया जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेक्टर से जुड़ी बड़ी कंपनी गेम्जक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी की यह कार्रवाई ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कई गंभीर आरोपों के बाद सामने आई है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई एफआईआर दर्ज थीं। इन शिकायतों में लोगों को गुमराह करने, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से धन जुटाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

फ्लाइट में महुआ मोइत्रा के सामने चोर, चोर टीएमसी चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगे

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद राज्य की राजनीतिक तपिश अब विमानों के भीतर भी महसूस हो रही है। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट में उनके साथ बदसलूकी की गई। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद मोइत्रा ने एक्स पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिसमें कुछ लोगों को चोर, चोर टीएमसी चोर, तृणमूल ईर शोब चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। टीएमसी की मोइत्रा ने इस नारेबाजी को नागरिकों का गुस्सा नहीं बताया और एक परेशानी कहा, जिसने विमान में उनकी सुरक्षा का उल्लंघन किया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ अपने सख़्त रुख़ के लिए मशहूर महुआ ने इंडिगो से इन लोगों के नाम सार्वजनिक करने और उन्हें नो फ़्लाई लिस्ट में डालने को कहा, साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को भी इस बारे में टैग किया। मोइत्रा ने पोस्ट में कहा यह बीजेपी की संस्कृति है। किसी को हैरानी क्यों हो रही है? मैंने इस नज़रअंदाज़ किया और हवाई अड्डे से अपनी बैठक में चली गई। फिर लोगों ने मुझे वह वीडियो भेजा जिसे संघी लोग वायरल कर रहे थे। तभी मैंने इस पर आवाज उठा दी। टीएमसी नेता ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में औपचारिक शिकायत दर्ज की है, जिसमें उन्होंने कहा कि चार-पांच युवकों ने इसतहर के नारे लगाए जो सीधे तौर पर उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि उन पर मौखिक हमला हुआ और उन्हें परेशान किया गया, और साथ ही यह भी जोड़ा कि उनके पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इंडिगो के किसी भी अधिकारी ने बीच-बचाव नहीं किया, और उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की। इंडिगो ने अभी तक उनके आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा ये नारे और उद्घोष मेरी पार्टी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस), मेरी पार्टी के नेताओं और मुझ पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साध रहे थे। एक बंद विमान के अंदर मुझ पर मौखिक हमला कर मुझे परेशान किया गया, और चूंकि मुझे विमान से उतरने की प्रक्रिया शुरू होने तक इंतज़ार करना पड़ा, इसलिए मेरे पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं थाजो सीधे तौर पर मुझ पर किया जा रहा था।

सैमसंग गैलेक्सी एम और एफ सीरीज पर मिल स्पेशल ऑफर

एजेंसी

मुंबई : सैमसंग इंडिया ने शुक्रवार को गैलेक्सी एम17 सीरीज (एम17 5जी और एम17ई 5जी), गैलेक्सी एम36 5जी, गैलेक्सी एम56 5जी, गैलेक्सी एफ70ई 5जी और गैलेक्सी एफ36 5जी स्मार्टफोन्स पर 8 मई से स्पेशल कीमतों का ऐलान किया। ग्राहक इन डिवाइसेस को बेहतरीन कीमत पर खरीद सकते हैं और बेहतर पहुंच, रचनात्मकता एवं और प्रोडक्टिविटी का अनुभव ले सकते हैं। हर डिवाइस में हाई-रेजोल्यूशन कैमरा सिस्टम, मजबूत डिजाइन, एआई-पावर्ड टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट जैसी एडवांस्ड तकनीकें दी गई हैं।

गैलेक्सी एम17 सीरीज, जो अपने प्राइस सेगमेंट में अमेजन पर नंबर 1 बिकने वाला स्मार्टफोन है, इसमें गैलेक्सी एम17 5जी और एम17ई 5जी स्मार्टफोन शामिल हैं। गैलेक्सी एम17 5जी में साफ और स्थिर फोटोग्राफी के लिए 50 एमपी आईओएस ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, शानदार विजुअल्स के लिए ब्राइट और शानदार सुपर एमोलेड डिस्प्ले और अतिरिक्त मजबूती के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन दिया गया है। इसमें झटपट जानकारी के लिए गूगल सर्कल टू सर्च और रियल-टाइम विजुअल बातचीत के लिए जेमिनी लाइव भी शामिल है।

गैलेक्सी एम17ई 5जी में 120एचजेड तक रिफ्रेश रेट वाला स्मूथ डिस्प्ले, लंबे इस्तेमाल के लिए 6000एमएएच बैटरी, अच्छी फोटो के लिए 50एमपी ड्यूअल कैमरा सिस्टम, गूगल सर्कल टू सर्च, बेहतर सुरक्षा के लिए सैमसंग नॉक्स वॉल्ट, बेहतर प्राइवेसी के लिए ऑटो ब्लॉकर और लंबे समय की विश्वसनीयता के लिए छह ओएस अपग्रेड के साथ छह साल के सिक्योरिटी अपडेट दिए गए हैं।

गैलेक्सी एम36 5जी, जो अपने प्राइस सेगमेंट में अमेजन पर नंबर 1 बिकने वाला स्मार्टफोन भी है, इसमें स्मार्ट इंटरैक्शन के लिए एआई फीचर्स, बेहतर मजबूती के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस+ प्रोटेक्शन, गूगल सर्कल टू सर्च और रियल-टाइम विजुअल बातचीत के लिए जेमिनी लाइव दिया गया है। यह एक्सीनॉस 1380 प्रोसेसर से संचालित है और इसमें बेहतर हीट डिसिपेशन के लिए वेपर कूलिंग चैंबर दिया गया है, जिससे मल्टीटास्किंग स्मूथ रहती है और गेमिंग का अनुभव लंबे समय तक लैग-फ्री रहता है।

अखिलेश को झटका, सपा के कई दिग्गज नेता सुभासपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपना कुनबा बढ़ाने और संगठन विस्तार के अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी को उस वक्त बड़ी मजबूती मिली, जब समाजवादी पार्टी और बुनकर मजदूर विकास समिति से जुड़े लगभग 30 महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सुभासपा का दामन थाम लिया। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर की उपस्थिति में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में इन सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद आलम का नाम सबसे ऊपर है, जिनका सुभासपा में आना विपक्षी खेमे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके साथ ही बुनकर मजदूर विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नाजिम अंसारी और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताजुद्दीन अंसारी ने भी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा जताया। सदस्यता लेने वाले अन्य नेताओं में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष खालिद सैफी, राष्ट्रीय सचिव अयूब अंसारी, प्रदेश प्रभारी कारी लाइक अंसारी और कई जिला अध्यक्ष शामिल हैं। ये नेता दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर, शाहदरा, प्रतापगढ़, अमरोहा और लखनऊ जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे सुभासपा का प्रभाव कई जिलों में बढ़ने की उम्मीद है।

इस अवसर पर अरुण राजभर ने विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे पर तंज कसते हुए इसे केवल राजनीतिक स्वार्थ का जरिया बताया। राजभर ने कहा कि सपा का यह नारा जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि उनकी अपनी राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बदलता रहता है। उन्होंने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनके लिए पीडीए का असली अर्थ पार्टी ऑफ डिंपल एंड अखिलेश है, जो केवल परिवारवाद तक सीमित है। राजभर ने दावा किया कि जिस तरह से विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के नेता सुभासपा से जुड़ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि जनता और जमीन से जुड़े कार्यकर्ता अब बदलाव चाहते हैं। संगठन में हुए इस बड़े विस्तार से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसे आगामी चुनावी जंग के लिए सुभासपा की एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता, देश में 10 साल में 10 लाख मामले सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग सेंटर की निदेशक शुभ्रा रंजन का 3 मई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था और 1.89 करोड़ रुपए से ज्यादा की फिरौती मांगी गई थी। इस तरह के अपराध का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले एक दशक में 10 लाख से ज्यादा अपहरण के मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक यही नहीं, वर्ष 1953 से 2024 के बीच अपहरण और अगवा करने के 20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जो भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज कुल मामलों का करीब 1.7 फीसदी है। कुल मामलों में से 54 फीसदी 2013 से 2024 के बीच सामने आए हैं। इस अवधि में केवल 0.7 फीसदी मामले ही फिरौती से जुड़े हैं। वर्ष 1953-62 के दशक के बाद से अपहरण के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। आईपीसी मामलों में इनकी हिस्सेदारी 1973-82 के दशक से बढ़ रही है। आंकड़ों के मुताबिक अपहरण के मामलों में फिरौती बड़ी वजह नहीं रही है। सबसे अधिक मामले लोगों को जबरन उठाने यानी अपहरण से जुड़े हैं, जो कुल मामलों के आधे से भी ज्यादा हैं। इसके बाद शादी के लिए महिलाओं के अपहरण के मामले आते हैं, जबकि फिरौती के लिए अपहरण या अगवा करने के मामलों की हिस्सेदारी इनमें बहुत कम है। अपहरण के मामलों में शीर्ष छह राज्यों में से बिहार 2024 में सबसे नीचे रहा। पिछले कुछ सालों में यह राज्य महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद तीसरे नंबर पर रहा है।

राघव चड्ढा की देशवासियों से अपील, एकजुट रहे... भारत आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर कड़ा बयान दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपने वीडियो संदेश में उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की और भारतीय सेना के साहस तथा पराक्रम की जमकर सराहना की।

'जय हिंद साथियों' से अपने संदेश की शुरुआत कर बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन अगर पड़ोसी पाकिस्तान जैसा हो, तब सही रास्ते पर लाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय सिर्फ पाकिस्तान से नहीं, बल्कि आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि सेना इस बार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं और आतंक की जड़ों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन जताकर कहा कि पूरे देश को उनके साथ ÷चट्टान की तरह÷ खड़ा रहना चाहिए।

उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर कहा कि निहत्थे नागरिकों की हत्या मानवता पर एक बड़ा कलंक है। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। चड्ढा ने दावा किया कि भारत ने इसका जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए देना शुरू कर दिया है और भारतीय वायुसेना तथा मिसाइल सिस्टम पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन को प्रभावी ढंग से नष्ट कर रहा है।

अपने बयान में उन्होंने देश में हुए कई बड़े आतंकी हमलों का उल्लेख किया, जिनमें 2008 मुंबई आंतकी, पुलवामा अटैक, उरी अटैक, भारतीय संसद हमला और 1993 बॉम्बे बम विस्फोट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इन हमलों के जिम्मेदार आतंकियों और उनकी सोच को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हुई है।

शशि थरूर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे

–कोर्ट से अपील– डीपफेक वीडियो और एआई–मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाए जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। थरूर ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की पीठ करेगी।

कांग्रेस नेता ने अपनी याचिका में कई आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से राहत मांगी है। इसमें कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। थरूर ने कोर्ट से अपील की है कि इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से कई डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। बता दें थरूर की ओर से यह याचिका लॉ फर्म ट्राईलीगल के पार्टनर और वकील निखिल नरेंद्रन के जरिए दायर की गई है। थरूर अब उन अभिनेताओं, क्रिकेटरों और अन्य मशहूर हस्तियों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपने पब्लिक और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर भी कोर्ट से इसी तरह का इंजंक्शन हासिल कर चुके हैं। कोर्ट ने विज्ञापनों, मर्चेंडाइज और एआई-जनरेटेड कंटेंट में इन सितारों के नाम, आवाज, तस्वीर और हुबहू पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी लगाई थी। अब शशि थरूर ने भी अपने अधिकारों को महफूज रखने और अपने नाम-पहचान के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यही कानूनी रास्ता अपनाया है। केरल के तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर पूर्व राजनयिक और प्रसिद्ध लेखक भी हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में करीब तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दीं और अंडर-सेक्रेटरी-जनरल के प्रतिष्ठित पद तक पहुंचे। भारत सरकार में वे विदेश मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

बंगाल में राइटर्स बिल्डिंग से चलेगी नई सरकार! 1777 में बनी थी यह इमारत

–इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे, नबान्न नहीं होगा ठिकाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सरकार के कामकाज का केंद्र भी बदलने वाला है। निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल में 13 साल तक सत्ता का केंद्र रहा नबान्न अब नई सरकार का ठिकाना नहीं होगा। राज्य में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी राज्य सचिवालय को हावड़ा से वापस कोलकाता स्थित ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में शिफ्ट करने की योजना बना रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने नबान्न में कार्यवाहक मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से मुलाकात की। समिक ने उन्हें सूचित किया है कि नए सीएम के शपथ लेने के बाद सचिवालय को शिफ्ट कर दिया जाएगा। बीजेपी के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के शनिवार सुबह ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नए नेता मध्य कोलकाता स्थित राइटर्स बिल्डिंग से अपना कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, बीजेपी ने अभी तक अपने सीएम चेहरे का ऐलान नहीं किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी हमेशा से इसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व को देखते हुए सचिवालय को वापस राइटर्स बिल्डिंग में ले जाने की इच्छुक रही है। इस कदम का समर्थन करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम 2021 से ही कह रहे हैं कि हम राइटर्स बिल्डिंग से सरकार चलाएंगे। मैंने इस साल चुनाव प्रचार के दौरान भी यह घोषणा की थी। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे। 250 से ज्यादा सालों तक राइटर्स बिल्डिंग सत्ता का केंद्र रही है। पहले ईस्ट इंडिया कंपनी, फिर ब्रिटिश इंडिया और आजादी के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अक्टूबर 2013 तक यहीं से कामकाज किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 2011 में पहली बार शपथ लेने के बाद ममता बनर्जी ने भी राइटर्स बिल्डिंग से ही कार्यभार संभाला था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना सचिवालय अस्थायी तौर पर गंगा पार हावड़ा के शरत चटर्जी स्ट्रीट स्थित नबान्न में शिफ्ट कर लिया था। ममता सरकार ने तब पुरानी इमारत में आग और आपदा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए इसके जीर्णोद्धार के लिए करीब 200 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ममता ने तब इसे बारूद का ढेर बताते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से अस्थायी जगह तलाशी जा रही है। हालांकि, इमारत का काम पूरा न होने के कारण सरकार की वहां कभी वापसी नहीं हो सकी।

नवीनीकरण के तहत लोक निर्माण विभाग ने इमारत की मूल ई संरचना के बीच बने दो एनेक्सी भवनों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद काम धीमा पड़ गया। राइटर्स बिल्डिंग में मूल रूप से करीब 3 लाख वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र था, जो तोड़े जाने के बाद घटकर 2.5 लाख वर्ग फुट रह गया। हालांकि यह जगह सीएमओ समेत कम से कम 8-10 विभागों के लिए पर्याप्त है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि अगर नई सरकार तुरंत वापस लौटना चाहती है, तो उसके लिए केवल ब्लॉक 1 और 2 ही उपलब्ध कराए जा सकते हैं। नया सीएमओ दूसरी मंजिल पर काम कर सकता है, जहां जीर्णोद्धार का काम पूरा हो चुका है। मूलरूप से सीएमओ पहली मंजिल पर था, जिसकी मरम्मत में अभी 6 महीने और लग सकते हैं। इस बीच, कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने सुरक्षा व्यवस्था और नवीनीकरण कार्य का जायजा लेने के लिए बुधवार को राइटर्स बिल्डिंग का दौरा किया था।

बता दें वर्ष 1777 में बनी राइटर्स बिल्डिंग को थॉमस लियोन ने डिजाइन किया था। इसका निर्माण गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में किया गया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से तीन साल पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे खरीद लिया था, जिसके बाद यह क्लर्कों के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होने लगी। 1906 के आसपास इस लाल रंग की शानदार इमारत को इसका खास ग्रीको-रोमन लुक मिला। डलहौजी स्क्वायर पर स्थित यह इमारत भारत और बंगाल के इतिहास की मूक गवाह रही है, लेकिन अब सरकार के यहां लौटने से पहले इसे एक गंभीर कायाकल्प की जरूरत है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**